प्रश्न बैंक

सत्र – 2022–23

विषय—हिंदी

कक्षा — आठवीं

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
छत्तीसगढ़

प्रकाशन वर्ष 2022–23

संरक्षक

राजेश सिंह राणा 'IAS'
संचालक, SCERT

मार्गदर्शक

डॉ.योगेश शिवहरे अतिरिक्त संचालक, SCERT,
डॉ.निशी भाम्बरी संयुक्त संचालक, SCERT

संयोजक

श्रीमती दिव्या क्लारेट लकरा, प्राध्यापक
श्रीमती कौशिल्या खुटे, श्रीमती लीना नेमपांडे

विशेष सहयोग

डॉ.विद्यावती चन्द्राकर

विषय विशेषज्ञ

डॉ. डी. के. बोदले

लेखन

मनमोहन राम यादव, उमेश कुमार साहू

टंकण

विजया वैष्णव

आवरण

सुधीर कुमार वैष्णव

प्रकाशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़
शंकर नगर, रायपुर

आमुख

वर्तमान में शालाओं में आकलन की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावशाली बनाने तथा शिक्षकों और छात्रों में विषयों की समझ को अधिक विकसित करने से लिए अच्छे प्रश्नों का निर्माण होना आवश्यक है।

इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए SCERT द्वारा पाठ्यक्रम के आधार पर प्रश्न बैंक का निर्माण किया गया है। प्रश्न बैंक के माध्यम से शिक्षण अधिगम संबंधी उद्देश्यों की पूर्ति की जा सकती है। शिक्षक इसका उपयोग पढ़ाने, परीक्षा लेने तथा छात्र स्वआकलन के लिए कर सकते है।

बच्चों में सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम) पूर्ण किया जाना है। इसी आधार पर कक्षा 1 से 8 के लिए कक्षावार विषयवार प्रश्न बैंक का निर्माण किया गया। निर्मित **'प्रश्न बैंक'** में कक्षा के अधिगम स्तर का ध्यान रखा गया है तथा सम्पूर्ण पाठ से प्रश्न निकाले गए हैं, प्रश्नों को वस्तुनिष्ठ, अतिलघु उत्तरीय, लघु उत्तरीय, दीर्घ उत्तरीय क्रम में रखा गया।

सृजित **'प्रश्न बैंक'** में समाहित प्रश्न ज्ञानात्मक, समझ, अनुप्रयोग, विशलेषण आधारित है एवं विद्यार्थियों के स्तरानुरूप हैं। यह **'प्रश्न बैंक'** अध्ययन अध्यापन में अन्यन्त महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसके द्वारा विद्यार्थियों के अपेक्षित कौशलों के विकास को जांचा-परखा जा सकेगा और पाठ्यपुस्तक में वर्णित अवधारणाओं को समझने के सरलता होगी। इन प्रश्नों के माध्यम से बच्चे स्वयं को सक्रिय रख पाएँगे तथा बच्चों में स्वयं करके सीखने, अपने परिवेश को समझने, तर्क करने, चिंतन करने, अपने अनुभवों की अभिव्यक्ति आदि गुणों का विकास हो सकेगा। इस **'प्रश्न बैंक'** के माध्यम से बच्चों में भाषायी कौशलों के विकास के साथ विषय-वस्तु की समझ विकसित होगी। शिक्षकों को यह 'प्रश्न बैंक' विषयवस्तु को सरल एवं विकसित करने में उनकी मदद करेगा।

यह **'प्रश्न बैंक'** शिक्षकों एवं छात्रों के लिए उपयोगी है शिक्षकों से आग्रह है कि 'प्रश्न बैंक' का अध्ययन कर इनकी उपयोगिता सुनिश्चित करें।

संचालक

एस.सी.ई.आर.टी.,छ.ग.,रायपुर

कक्षा - 8

विषय – हिंदी

विषय सूची

पाठ	पाठ का नाम	पेज
1	नई उषा	1-4
2	एक नई शुरुआत	5-9
3	अब्राहम लिंकन का पत्र	10-14
4	पचराही	15-19
5	इब्राहीम गार्दी	20-23
6	जो मैं नहीं बन सका	24-26
7	दीदी की डायरी	27-30
8	एक साँस आजादी के	31-34
9	साहस के पैर	35-37
10	प्रवास	38-41
11	हमारा छत्तीसगढ़	42-44
12	अपन चीज के पीरा	45-47
13	विजयबेला	48-50
14	आतिथ्य	51-53
15	मनुज को खोज निकालो	54-56
16	बरसात के पानी ले भू-जल संरक्षण	57-59
17	तृतीय लिंग का बोध	60-62
18	ब्रज माधुरी	63-65
19	कटुक वचन मत बोल	66-68
20	मिनी महात्मा	69-71
21	सीखावन	72-74
22	हिरोशीमा की पीड़ा	75-77
	निबंध	78-85
1	पर्यावरण प्रदूषण पर निबंध	78
2	दीपावली	82
3	स्वच्छता	83
4	मेरा विद्यालय	84
5	स्वतंत्रता दिवस	85

पाठ – 1

नई उषा

- श्री सत्यनारायण लाल

प्र. 1 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-

अ. नई उषा के कवि ..... हैं।

उ. श्री सत्यनारायण लाल

ब. चारों ओर ..... फ़ैल गया।

उ. उजाला

स. धरती को ..... सींचकर उपजाऊ बना दो।

उ. पसीने से

द. किसी दूसरे पर कोई भी ..... न हो।

उ. आश्रित

इ. आजादी की नई सुबह ..... जगा रही है।

उ. तुम्हें

अति लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.2 कवि किसको जगा रहा है?

उ. कवि नवयुवकों को जगा रहा है।

प्र.3 चारों ओर क्या फैल रहा है?

उ. चारों ओर उजाला फ़ैल रहा है।

प्र.4 शंख कौन बजा रहा है।

उ. समीर शंख को बजा रहा है।

प्र.5 हमें अमीरों और गरीबों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए?

उ. 5 हमें अमीरों और गरीबों के साथ समानता का व्यवहार करना चाहिए।

प्र.6 कवि किसको कर्मपथ पर अग्रसर होने को कह रहा है?

उ. कवि नव-युवकों को कर्मपथ पर अग्रसर होने को कह रहा है।

प्र.7 स्वतंत्रता का प्रभात, कहाँ पर दस्तक दे रहा है?

उ. स्वतंत्रता का प्रभात; परतंत्रता रुपी रात्रि बीत जाने के बाद, हमारे द्वार (दरवाजा) पर दस्तक दे रहा है।

प्र.8 नई उषा से कवि का क्या अभिप्राय है?

उ. नई उषा से कवि का अभिप्राय है, स्वतंत्रता की प्राप्ति से है। जिस तरह अँधेरी रात्रि के बाद उषाकाल का आगमन होता है, उसे प्रकार लम्बे समय की गुलामी के पश्चात् देश को आजादी मिली है।

अतः कहा गया है कि स्वतंत्रता प्राप्ति ही नई उषा है।

प्र.9 सभी मनुष्यों में किन-किन गुणों का विकास होना चाहिए?

उ. सभी मन्ष्यों में विवेक अर्थात् भले बुरे का ज्ञान, आपस में सहानुभूति, मैत्री, सत्य, प्रेम और त्याग आदि गुणों का विकास होना चाहिए।

प्र.10 स्वाश्रयी समाज कैसे बनाया जा सकता है?

उ. बुराइयों का त्यागकर तथा सत्कर्म को अपनाकर एवं ज्ञान का प्रकाश चारों ओर फैलाकर स्वावलंबी बन सकते हैं।

प्र.11 प्रमाद की महा निशा बीतने से कवि का क्या तात्पर्य है?

उ. प्रमाद की महा निशा बीतने का मतलब है कि परतंत्रता रुपी आलस्य की लम्बी रात्रि बीत चुकी है। अब हमें पूरी स्फूर्ति के साथ आगे देश के विकास के लिए कार्य करना है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र.12 हमारा देश कैसे जगमगा उठेगा?

उ. जब हमारे देश के सभी लोग बुराइयों का त्याग करके सत्कर्म (अच्छे कर्म) को अपनाकर ज्ञान का प्रकाश चारों ओर इस प्रकार फैलाएं जिससे, अज्ञानता (निरक्षरता) रुपी अन्धकार का

अंत हो जाये तथा कोई भी व्यक्ति किसी दुसरे व्यक्ति पर निर्भर न रहे, सभी लोग अपना अपना कार्य स्वयं अपने हाथ से संपन्न करते हुए स्वावलंबी बन जाये, सभी लोग प्रसन्न हो जाये, लोगों को भले बुरे का ज्ञान हो जाये, सहानुभूति, मैत्री, सच्चाई, प्रेम और त्याग की खुशबू से मनुष्य मात्र का हृदय भरा हुआ हो एवं आत्मदान (बलिदान) की भावना से पूर्ण हो, जब अपना सर्वस्व न्यौछावर कर जाये तब हमारा देश अवश्य ही जगमगा उठेगा।

प्र. 13 धरा को "उर्वरा" कैसे बनाया जा सकता है?

उ. भारत के प्रत्येक नागरिकों को अपने पसीने से सींचकर धरा को 'उर्वर' बनाने का प्रयास जरी रखना चाहिए, कठोर परिश्रम और दृढ इच्छाशक्ति से इस धरा की 'उर्वरा शक्ति' में वृद्धि करनी चाहिए। हमारी राहों में 'फूल' आयें या 'कांटे' हमें निरंतर निर्भीकता के साथ आगे बढ़ते रहना है। इसी प्रकार चाहे मुसीबतें कितनी ही आये हमें आगे बढ़ते जाना है, हमें धन प्राप्ति के साथ-साथ धूल-मिट्टी से भी प्रेम करना है, ताकि यह देश (मातृभूमि) प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता जाये। हमें अमीरों और गरीबों के साथ 'समानता' का व्यवहार करना चाहिए, हमें अपनी 'कर्मशीलता' का परिचय देना चाहिए हमें एकता की भावना पर बल देना चाहिए ताकि देश का सर्वांगीण विकास हो सके तथा धरा उपजाऊ हो सके।

प्र.14 कवि के प्राण प्राण गा उठे का क्या आशय है?

उ. कविता में कवि प्राण-प्राण गा उठे कहने का आशय यह है कि लोग अपनी बुराइयों को त्यागकर अच्छे कार्यों को करें, ज्ञान का प्रकाश चारों उर फैलाएं जिससे निरक्षरता का अन्धकार मिट सके और ज्ञान की रोशनी से हमारा देश जगमगा उठे। हमारे देश में किसी दूसरे पर कोई ही व्यक्ति निर्भर न रहे। सभी के चेहरों पर खुशियों की बरसात हो, सब खिलखिला उठें। कोई भी व्यक्ति खाली न बैठे, अपनी अपनी योग्यतानुसार प्रत्येक क्षण कुछ न कुछ करते रहें, मातृभूमि का सहयोग अपनी कठिन परिश्रम के द्वारा, अपने ज्ञान-विज्ञान के द्वारा, अपनी सहानुभूति और सहयोग के द्वारा, मातृभूमि को आत्मनिर्भर बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देवें तभी देश जगमगा उठेगा।

प्र.15 समाज को 'स्वाश्रयी' कैसे बना सकते हैं?

उ. समाज को स्वाश्रयी बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी बुराइयों का त्याग कर सत्कर्म करना होगा, ज्ञान का प्रकाश फैलाकर अशिक्षा का नाश करना होगा, हमें सभी व्यक्ति को आत्मनिर्भर रहकर स्वावलंबी बनाना होगा। कोई भी व्यक्ति दूसरे व्यक्ति पर निर्भर न हो इस बात पर विशेष ध्यान रखना होगा, कार्य छोटा हो या बड़ा हमें स्वयं उस कार्य को करना होगा,

जिससे समाज में आत्मनिर्भरता बढ़ सके, हमें अपनी छोटी छोटी आवश्यकता की पूर्ति स्वयं के द्वारा ही की जानी चाहिए, ताकि स्वयं में स्वावलंबन की भावना का विकास हो सके। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में चाहे वह कृषि हो, शिक्षा हो, विज्ञान हो, अध्यात्म हो, शारीरिक शिक्षा हो, तकनीकि क्षेत्र हो, हमें सभी क्षेत्रों में स्वावलंबी बनना ही होगा, जिससे स्वाश्रयी समाज का निर्माण हो सके।

प्र.16 अनुप्रास अलंकार की परिभाषा उदहारण सहित दीजिये?

उ. परिभाषा- "जहाँ एक ही पंक्ति में एक ही वर्ण की बार-बार आवृत्ति होती हो, वहां पर अनुप्रास अलंकार होता है।"

उदा.: 1. "उठे नई किरण लिए जगा रही नई उषा,

उठो उठो नए सन्देश दे रही दिशा दिशा।"

उपरोक्त उदाहरण में "उ" और "द" वर्ण की आवृत्ति बारबार हुई है। इसमें अनुप्रास अलंकार की छटा दिखाई देती है, इसके आलावा अन्य उदाहरण भी हैं।

2. "चारू चन्द्र की चंचल किरणें, कल रही थी जल थल में" - "च" वर्ण

3. "मधुर मधुर मुस्कान मनोहर, मनुज वेश का उजियार" – "म" वर्ण

4. "कालिंदी फूल कदम्ब की करनी" – "क" वर्ण

5. "कंकण किंकिण नुपुर धुनी सुनी" - "क" वर्ण

==========

पाठ – 2

एक नई शुरुआत

- सुश्री कमला चमोला

प्र. 1 सही विकल्प चुनिए-

क) कक्षा अध्यापक था।

अ) साहूजी ब) शर्माजी

स) दुबेजी द) यादवजी

उ. ब) शर्माजी

ख) कक्षा मानीटर का नाम है।

अ) श्रीकांत ब) उमाकांत

स) शशिकांत द) शोभाकांत

उ. अ) श्रीकांत

ग) शरारती किस्म का लड़का था।

अ) नीरज ब) सुरेश

स) सुधीर द) गणेश

उ. स) सुधीर

घ) पकौड़े खाते सभी।

अ) रो रहे थे ब) हंस रहे थे

स) सो रहे थे द) कूद रहे थे

उ. ब) हंस रहे थे

ङ) आज जन्मदिन है।

अ) सुधीर का ब) रामू का

स) अनिल का द) सुमेश का

उ. अ) सुधीर का

अति लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.2 कक्षा मानीटर किसे बनाया जाता है?

उ. श्रीकांत को कक्षा मानीटर बनाया जाता है?

प्र.3 शरारती और गुस्सैल लड़के का क्या नाम था?

उ. शरारती और गुस्सैल लड़के का नाम सुधीर था।

प्र.4 सुधीर का जन्मदिन मनाने का विचार किसका था?

उ. सुधीर का जन्मदिन मनाने का विचार श्रीकांत का था?

प्र.5 सुधीर मन ही मन श्रीकांत से इर्ष्या क्यों करता था?

उ. श्रीकांत एक शरीफ और होशियार विद्यार्थी था। पढ़ाई में भी वह अच्छा था। कक्षा के सभी लड़के उससे प्रभावित थे और दोस्त बन गए थे। इसी कारण सुधीर मन ही मन उससे इर्ष्या करता था।

प्र.6 कक्षा के साथियों से श्रीकांत क्या चाहता था?

उ. श्रीकांत चाहता था कि कक्षा के सभी बालक बालिकाएं सुधीर के साथ मित्रता पूर्ण सामान्य व्यवहार करें।

लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.7 श्रीकांत को मानीटर बनाये जाने पर सुधीर की क्या प्रतिक्रिया थी?

उ. श्रीकांत को कक्षा का मानीटर बनाये जाने पर सुधीर तिरछी आँखों से उसे घूरोने लगा और जब श्रीकांत ने उसकी ओर देखा तो उसने अकड़कर गर्दन दूसरी ओर घुमा ली।

प्र.8 सुधीर के बारे में छात्रों और शिक्षकों की क्या मान्यताएं थीं?

उ. सुधीर के बारे में छात्रों और शिक्षकों की मान्यताएं थीं कि वह बुरी संगत में पड़ गया है। और उसे काफी गुस्सैल तथा गैर जिम्मेदार और बिगड़ा हुआ लड़का मानने लगे थे।

प्र. 9 सुधीर के अंदर कौन सा दुर्गुण था।

उ वह झगड़ालू और गुस्सैल तथा गैर जिम्मेदारी वाला तथा अकड़कर चलनेवाला भी था। आज्ञा का पालन करना उसे बिलकुल भी अच्छा नहीं लगता था।

प्र.10 कक्षा मानीटर की क्या भूमिका होती है?

उ. कक्षा मानीटर की निम्नलिखित भूमिका होती है-

1. शिक्षक की अनुपस्थिति में कक्षा की व्यवस्था को बनाये रखना।

2. शिक्षक के आदेश का पालन करना।

3. छात्रों को आदेश का पालन करवाना आदि।

प्र.11 निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए?

उ. मुहावरे:

1. तिरछी आँखों से घूरना-

वाक्य प्रयोग- चोर थाने में पुलिस वालों को तिरछी आँखों से घूर रहा था।

2. बात करने में कतराना–

वाक्य प्रयोग- भोला एक अपराधी किस्म का आदमी है, गाँव के लोग उससे बात करने में कतराते हैं।

3. हाथ होना-

वाक्य प्रयोग- रामू की सफलता के पीछे उसकी माँ का हाथ है।

4. फटी-फटी आँखों से देखना-

वाक्य प्रयोग – सर्कस में रिंग मास्टर ने अपना हाथ शेर के मुंह में घुसा दिया लोग इस दृश्य को फटी फटी आँखों से देख रहे थे।

प्र.12 देशज शब्दों से वाक्य बनाइये?

1. डिबिया, 2. कटोरा, 3. थारी, 4. हंसिया, 5. टंगिया

वाक्य प्रयोग-

1. माँ ने डिबिया लाने को कहा है।
2. गाँव में भिखारी कटोरा लेकर भीख मांगते हैं।
3. सुप्रिया थारी में भोजन परोसती है।
4. धान कटाई में हंसिया का उपयोग करते हैं।
5. लकड़हारा टंगिया से लकड़ी काटता है।

प्र.13 सुधीर की आँखों में नमी क्यों उतर आयी है?

उ. सुधीर की आँखों में नमी उतर आयी है, क्योंकि जब श्रीकांत ने कहा कि तुम गीता और सुप्रिया को छोड़ आओ, श्रीकांत की इस बात को सुनकर सुधीर की आँखें फटी की फटी रह गई। आज श्रीकांत ने इसे इस लायक समझा कि वह अपनी सहपाठिनी को जिम्मेदारी पूर्वक छोड़कर आने लायक हो चुका है। पहले तो छात्रों सहित शिक्षक लोग भी इस पर विश्वास नहीं करते थे। लेकिन आज पहली बार श्रीकांत ने इस बात पर विश्वास जताया कि सुधीर भी कोई भी अच्छे कार्य को अंजाम दे सकता है। श्रीकांत ने कहा जो काम मैं कर सकता हूँ, वह तुम भी कर सकते हो, तब यह सुनकर सुधीर ठिठक गया। श्रीकांत ने उसे विश्वास दिलाया कि तुम मेरे से भी अच्छा कार्य कर सकते हो तब, उनकी आँखों में हल्की नमी आ गयी।

प्र.14 श्रीकांत के व्यक्तित्व की विशेषताएं बताइए।

उ. श्रीकांत एक ईमानदार और चरित्रवान विद्यार्थी था। वह पढ़ाई में भी अच्छा था। श्रीकांत का व्यवहार कक्षा के सभी छात्र-छात्राओं के लिए अनुकरणीय था। श्रीकांत का व्यवहार ही था जिसके कारण पूरे कक्षा के बच्चे उनके मित्र बन गए थे। श्रीकांत एक स्वाभिमानी लड़का था। वह अपने साथ साथ हर किसी के स्वाभिमान का चिन्तक था। जब सुमेश द्वारा सुधीर के बारे में बातें कही गई तब श्रीकांत ने सुमेश को समझाया कि सुधीर की गिरावट के लिए हम सब जिम्मेदार हैं। न कि सिर्फ सुधीर या उसका व्यवहार, सुधीर के स्वाभिमान को जगाने के लिए उसने सुधीर पर विश्वास करके, सुधीर को छोटी छोटी जिम्मेदारी का अहसास कराकर उसे भी सर्वश्रेष्ठ अभिनेता तक के सफ़र पर पहुँचाया, अब सुधीर भी हृदय से श्रीकांत का सम्मान करने लगा है। इस तरह हम सबके लिए श्रीकांत का व्यक्तित्व अनुकरणीय है।

प्र.15 सुधीर के व्यक्तित्व में कैसे परिवर्तन आया?

उ. सुधीर के व्यक्तित्व परिवर्तन में शीकांत का महत्वपूर्ण योगदान है। श्रीकांत ने सुधीर पर विश्वास करके सिद्ध कर दिया कि किसी पर विश्वास करने से सामने वाला का आत्मविश्वास भी जाग्रत होता है। पहले की तुलना में अब दिन प्रतिदिन सुधीर के व्यवहार में अरिवर्तन आने लगा है अब अक्खड़ता की जगह उसकी (बातों में) सौम्यता ने ले ली है। गाली गलौच और लड़ाई भी कम हो गयी है। अब सुधीर ज्यादा जिम्मेदार नजर आने लगा है। गीता और सुप्रिया को घर छोड़ने की जिम्मेदारी भी सुधीर ने ले लिया है। अब लड़कियों के प्रति उसके व्यवहार (प्रकृति) में अंतर आने लगा है। अब औरतों और लड़कियों के प्रति ज्यादा सम्मान करने लगा है। सुधीर ने अब सबसे दोस्ती कर लिया है। अब कक्षा के सारे लड़के लडकियां सुधीर का

सम्मान करने लगे हैं तथा सुधीर भी ईमानदारी व सत्कार्यों को करते हुए जीने लगा है। इस प्रकार कह सकते हैं कि सुधीर का व्यवहार परिवर्तन हुआ।

प्र.16 सार्वजनिक अपमान से कैसे बचाया जा सकता है?

उ. सार्वजनिक अपमान यह एक अनुचित साधन होता है।बच्चों के व्यवहार परिवर्तन में सार्वजनिक अपमान से विद्रोही या उद्दण्ड छात्रों को, यह उपेक्षा का भाव या दण्डात्मक कार्यवाही उन्हें और अधिक उग्र या व्यग्र बनती है। अतः हमें समय रहते ऐसी प्रक्रियाओं पर अंकुश लगानी चाहिए, जरुरी नहीं है कि बच्चा को दण्ड के कार्यवाही द्वारा सुधारा जाये, सुधारने की प्रक्रिया को और अधिक सुगम बनाने की आवश्यकता पर बात करनी चाहिए। छात्रों को दण्ड की बजाय 'पुरस्कार' के द्वारा सुधार लाने की कार्यवाही की अनुसंशा की जानी चाहिए, ताकि पुरस्कार स्वरूप छात्रों में हृदय परिवर्तन या उनकी प्रवृत्ति में स्वभाव आसानी से परिवर्तन लाया जा सके। अतः हम सभी को चाहिए कि दण्ड को पूर्णतः छोड़कर "पुरस्कार पद्धति" पर अधिक बल देना चाहिए, सार्वजनिक अपमान से बचाया जा सके।

==========

पाठ – 3

अब्राहम लिंकन का पत्र

- श्री अब्राहम लिंकन

प्र.1 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये?

1. अब्राहम लिंकन तत्कालीन अमेरिकी ..... थे।
   उ. राष्ट्रपति
2. लिंकन ने पत्र लिखा था ..... को।
   उ. अपने पुत्र के शिक्षक
3. अपने लिए अलग ..... बनाना।
   उ. रास्ता
4. मेहनत की ..... खाना।
   उ. कमाई
5. मुसीबत में भी ..... रहना।
   उ. खुश

अति लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.2 अब्राहम लिंकन कौन थे?

उ. अब्राहम लिंकन तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति थे जिन्हें गुलामों का मुक्तिदाता कहा जाता है।

प्र.3 लिंकन ने किसे पत्र लिखा था?

उ. अब्राहम लिंकन ने अपने पुत्र से शिक्षक को पत्र लिखा था।

प्र.4 अब्रहम लिंकन ने स्कूलों से क्या अपेक्षाएं की हैं?

उ. नक़ल करके पास हो जाने से बेहतर है कि फेल हो जाना। स्कूली शिक्षा के साथ प्रकृति की शिक्षा भी दिया जाये।

प्र.5 हमें चाटुकारों से सावधानी क्यों बरतनी चाहिए?

उ. हमें चाटुकारों से सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि ऐसे लोग अपना स्वार्थ सिद्ध करने के लिए ही खुशामद करते रहते हैं।

प्र.6 आदर्श नागरिक कौन बना सकता है?

उ. शिक्षक एवं माता-पिता तथा सज्जन लोग अपने सहयोग से आदर्श नागरिक बना सकते हैं।

लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.7 अब्राहम लिंकन ने पत्र किस में किस तरह के व्यक्तियों का जिक्र किया है?

उ. अब्राहम लिंकन ने अपने पत्र में चाटुकारों और बदमाश व्यक्तियों के बारे में लिखा है।

प्र.8 मेहनत से कमाया धन अतिश्रेष्ठ होता है, क्यों?

उ. मेहनत से कमाया एक पैसा भी हमें खुशियों से भर देता है, जबकि गलत तरीके से कमाया गया नोटों की गड्डी हमें सुख नहीं दे सकता है। मेहनत से आने वाले एक पैसे की कीमत हमें अधिक आनंद देती है।

प्र.9 अमेरिकी राष्ट्रपति अपने पुत्र को क्या-क्या सिखलाना चाहते थे?

उ. अमेरिकी राष्ट्रपति शिक्षक के माध्यम से ये सभी बातें, जैसे: मेहनत की कमाई खाना। सच्चा इंसान बनाना। अपने लिए अलग से रास्ता तैयार करना आदि सिखाना चाहते थे।

प्र.10 लिंकन जी ने ईमानदार बनने के लिए क्या कहा है?

उ. ईमानदार व्यक्ति की पूजा सारी दुनिया में की जाती है, बेईमानी से (सच्चाई के बिना) कमाया धन केवल दुःख ही दे सकता है, अतः अपने शारीरिक परिश्रम से कमाया धन ही ज्यादा आनंदकारी होता है।

प्र.11 अब्राहम लिंकन का व्यक्तित्व कैसा था?

उ. अब्राहम लिंकन बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। वे एक नीतिशास्त्री, राजनीती शास्त्री, दर्शनशास्त्री, ईमानदार, कर्मनिष्ठ, सच्चे इंसान थे। वे एक आदर्श राष्ट्रपति थे। पूरी दुनिया इनका सम्मान (आदर) करती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र.12 अब्राहम लिंकन ने प्रकृति की सुन्दरता का वर्णन किस प्रकार किया है?

उ. अब्राहम लिंकन ने प्रकृति की सुन्दरता का वर्णन करते हुए कहा कि नीले आसमान में उड़ते आजाद पक्षी, सुनहरी धूप में गुनगुनाती मधुमक्खियाँ और पहाड़ के ढलानों पर खिलखिलाता जंगली फूलों (पुष्पों) की हंसी को भी निहारने दें। अब्राहम लिंकन भी अपने पुत्र के शिक्षक को अपने पत्र में उपरोक्त सभी बातों का जिक्र किये हैं- साथ ही अनुरोध किये हैं कि उनके पुत्र को प्राकृतिक सौन्दर्य दर्शन, साक्ष्यभाव से प्रकृति के निर्विकार स्वरुप का दर्शन अवश्य कराया जाना चाहिए जिससे उसके पुत्र में भी प्रकृति के प्रति आकर्षण पैदा हो सके और प्रकृति मनोहारी स्वरूपों का, दृश्यों का आत्मानुभव कर सके।

प्र.13 लिंकन जी ने गुरूजी से क्या-क्या अपेक्षाएं की हैं?

उ. लिंकन जी ने अपने पुत्र के शिक्षक (गुरूजी) से निम्न अपेक्षाएं की हैं-

I. सच्चा इंसान बनाने के लिए।
II. मेहनत की कमाई खाने।
III. हार एवं जीत में खुश रहना।
IV. मुसीबत में खुश रहना।
V. पुस्तकों में रूचि लेना।
VI. अपने लिए अलग रास्ता बनाना।
VII. मनुष्य मात्र से प्रेम करना।
VIII. बदमाशों को करारा जवाब देना।
IX. प्राकृतिक दुनिया का दर्शन कराना।
X. सभ्य और नैतिक गुणों का विकास करना।

इन सबके आलावा भी कई अन्य गुणों को सीखने के लिए अपेक्षा किये थे।

प्र.14 बदमाशों को करार जवाब कैसे दिया जा सकता है?

उ. बदमाशों को करार जवाब दिए जाने के संबंश में लिंकन जी का मत है कि-

बदमाशों को जैसे को तैसा के तर्ज पर दण्ड दिया जाना चाहिए ताकि वह किसी सज्जन मनुष्य (भले मनुष्य) को कभी परेशान करने की बात सोच ही न सकें।

किसी कमजोर और निःसहाय पर कोई जुल्म करता है तो उसका पुरजोर विरोध किया जाना चाहिए, जिससे सबकी रक्षा हो सके; सबकी सुरक्षा हो सके। बदमाशों को करारा जवाब नहीं दिया गया तो फिर वह उद्दण्ड होकर निर्मम व्यवहार करेगा जिससे अच्छे लोगों को ही पीड़ा

सहनी पड़ेगी, अतः हर संभव दुष्टों को दंड अवश्य ही दिया जाना चाहिए जिससे अच्छे लोगों की भलाई हो सके।

इस प्रकार सशक्त विचार थे लिंकन जी के।

प्र.15 जातिवाचक, संज्ञाओं से भाववाचक संज्ञाए बनाइये?

पशु, देवता, गुरु, मित्र, शत्रु, मनुष्य, प्रभु, मूर्ख, बच्चा, शैतान, समाज

उ.

जातिवाचक संज्ञा	**भाववाचक संज्ञा**
1. पशु	पशुता
2. देवता	देवत्व
3. गुरु	गुरुत्व
4. मित्र	मित्रता
5. शत्रु	शत्रुता
6. मनुष्य	मनुष्यता
7. प्रभु	प्रभुता
8. मूर्ख	मूर्खता
9. बच्चा	बचपन
10. शैतान	शैतानी
11. समाज	सामाजिकता

प्र.16 प्रत्यत क्या है उदहारण सहित समझाईए?

उ. जो शब्दांश किसी शब्द के अंत में जुड़कर नया शब्द बनाकर अर्थ में परिवर्तन ला देते हैं, उसे ही प्रत्यय कहते हैं।

उदा.- मनुष्य + ता = मनुष्यता

इसी तरह 'ज्ञ' प्रत्यय लगाकर अन्य नया शब्द बनाये जाते हैं।

जैसे- राजनीति + ज्ञ = राजनीतिज्ञ = राजनीति जानने वाले

(ज्ञ = जानने वाला)

क्र.	शब्द	प्रत्यय	नया शब्द अर्थ
1.	गणित	ज्ञ	गणितज्ञ = गणित का जानकार
2.	शास्त्र	ज्ञ	शास्त्रज्ञ = शास्त्र का जानकार
3.	धर्म	ज्ञ	धर्मज्ञ = धर्म का जानकार
4.	मर्म	ज्ञ	मर्मज्ञ = मर्म का जानकार
5.	अल्प	ज्ञ	अल्पज्ञ = अल्प जानकार
6.	सर्व	ज्ञ	सर्वज्ञ = सब का जानकार
7.	कर्म	ज्ञ	कर्मज्ञ = कर्म का जानकार
8.	वि	ज्ञ	विज्ञ = जानने वाला
9.	रासायन	ज्ञ	रसायनज्ञ = रसायन जानने वाला
10.	रण	ज्ञ	रणज्ञ = रण जानने वाला
11.	रामायण	ज्ञ	रामायणज्ञ = रामायण जानने वाला
12.	भागवत	ज्ञ	भागवतज्ञ = भागवत जानने वाला

==========

पाठ – 4

पचराही

- लेखक मण्डल

प्र. 1सही विकल्प चुनिए-

1. पचराही स्थित है-

   अ) महानदी के किनारे ब) हॉप के किनारे

   स) शबरी नदी के किनारे द) पैरी के किनारे

   उ. ब) हॉप के किनारे

2. सन् 2007 से पचराही में चल रही है-

   अ) बोआई ब) खोदाई

   स) समतलीकरण द) निंदाई

   उ. ब) खोदाई

3. विष्णु के उपासक कहलाते हैं-

   अ) साक्त ब) भक्त

   स) शैव द) वैष्णव

   उ. द) वैष्णव

4. पचराही का अर्थ होता है-

   अ) पांच राहों का समूह ब) दो रास्तों का समूह

   स) तीन राहों का समूह द) नौ रास्तों का समूह

   उ. अ) पांच राहों का समूह

5. मौलुस्का हैं एक प्रजाति-

   अ) कौड़ी का ब) सीप का

   स) घोंघा का द) बिच्छू का

   उ. स) घोंघा का

अति लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.2 हॉप नदी के किनारे कौन सा गाँव स्थित है?

उ. हॉप नदी के किनारे पचराही गाँव स्थित है।

प्र.3 पचराही के नाव काबर पड़े हे?

उ. पचराही के नाव पड़े के पाछू ये बात हावय के इंहाले हो के पांच ठन रास्ता गुजरथे (रतनपुर, मंडला, सहसपुर, भोरमदेव, लंजिका बर) जाथे।

प्र.4 पचराही म कोन प्रकार के जीवाश्म मिले हें?

उ. पचराही म दू परकार के जीवाश्म मिले हे :

1) पाइला (सीप)

2) मौलुस्का (घोंघा)

प्र.5 बफेला गाँव के टीला म काखर मुरती मिले हे?

उ. बफेला गाँव के टीला म जैन मुरती के अवशेष मिले। जेंमा धर्म नाथ, शांतिनाथ, अऊ पार्श्वनाथ के खंडित मूर्ति मिले हे।

प्र.6 छ.ग. के पुरातात्विक स्थान कोन-कोन से है?

उ. छ.ग. के पुरातात्विक स्थान हे-

1) राजिम 2) शिवरीनारायण 3) रतनपुर 4) सिरपुर

5) ताला 6) बारसूर 7) दंतेवाड़ा

प्र.7 जुन्ना जिनिस मन ले हमन का बात के पता लगाथन?

उ. जुन्ना जिनिस मन ले हमन ल पुरातन सभ्यता के ज्ञान मिलथे। हमन अपन ग्यान ले जुन्ना जानकारी दे सकत हन, अऊ अपन ग्यान ल बढ़ा सकत हन।

लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.8 कोन कोन से ठऊर ह छत्तीसगढ़ के कला संस्कृति के अगासदिया कहे गे हे?

उ. राजिम शिवरीनारायण, सिरपुर, मल्हार, ताला, रतनपुर, डीपाडीह, भोरमदेव घटियारी, बारसुर, दंतेवाड़ा मन हमर कला संस्कृति के अगासदिया कहे गे हे।

प्र.9 पचराही म मिले जीवाश्म के बारे में बतावव?

उ. पचराही म दू जलीय प्राणी के जीवाश्म मिले हे, जेमा ले एक जीवाश्म हर मौलुस्का (घोंघा) परिवार के आय अउ दूसर जीवाश्म हर पाइला(सीप) परिवार के आय। पचराही म दिन दिन चलत खोदाई म अउ बहुत अकन जिनिस मिलत हे, अउ आघू अउ मिलत रही।

प्र.10 "पचरा" गीत काला कहिथे?

उ. गाँव के सियान मन के मुताबिक इंहा तइहा जग म गाँव म एक ठन कंकाली मंदिर रहिन हे, तिंहा रोज रोज मंदिर म स्थित माता रानी कंकाली ल परसन करे के खातिर बर पचरा गीत गाये जात रहिस हे। तेखरे सेती पचरा गीत के कारण ए गाँव ल घलो पचराही कहे लागिन। पचरा गीत, जसगीत ल कहे जाथे।

प्र.11 हॉप नदी के 'पार' कोन-कोन से मुरती स्थित हे?

उ. हॉप नदी के ओपार बफेला गाँव म जैन धर्म ले सम्बंधित कईठन मुरती मिले हे, जेमे मुख्य रूप ले धर्मनाथ, शांतिनाथ अउ पार्श्वनाथ के खंडित मूर्ति मिले हे, जेखर ले पता चलथेके इंहा जैन धरम के भी अस्तित्व तइंहा समे माँ रहिन होही, अउ जैन धर्म के मंदिर आदि रहिन होही।

प्र.12 राजिम म कोन-कोन ल नदी मन ह मिलथे?

उ हमर राजिम ल छत्तीसगढ़ के गंगा (प्रयाग) कहे जाथे। इंहा घलो त्रिवेनी संगम हावय। इंहा के त्रिवेनी संगम में महानदी, सोंढूर अउ पैरी नदी हर आके मिलथे। इंहा अब (संगम) म माघ पूर्णिमा के समे कुंभ स्नान व तीर्थ स्नान करे जाथे। अउ अब हर बरस मा मेला घलो लगथे।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र.13 पचराही तइंहा जग म बड़ा बैपारिक केंद्र रहिस कैसे?

उ. पचराही ह तइंहा जग म बड़ बैपारिक केंद्र रहिस हे, इंहा के खोदाई ले मिले अवशेष मन ला देखे ले पता चलथे कि इंहा तइहा जुग म जिनिस जिनिस के बेपार होवत रहिस होही। तभी तो आज के समे म मिले अवशेष से पता चलथे कि इंहा चांदी के सिक्का मिले हे। अउ कई ठन सोन के सिक्का मिले हे, एकर ले सिद्ध होथे कि हमर छ.ग. ह तइंहा जग म घलो खरीदी बिक्री के बैपार के बड़ जान ठीहा रहिन हे। इंहा पाछू जमाना म अड़बड़ आनी बानी के जिनिस मन के बैपार होवत रहिन होही। तइंहा जग म इंहा आभूषण गहना गुटा के बिक्री घलो होवत रहिन होही।

प्र.14 'पचराही' के पुरातात्विक महत्त्व बतावव?

उ. पचराही के पुरातात्विक महत्व तइहा जुग ल हावय। इंहा प्राचीन काल म घलो कई कई ठन राजवंश घलो राज करे हें। जेमे कलचुरी वंश, नागवंश, फणीवंश सब झन प्रमुख आय। इंहा महाभारत काल के भी परमाण कइ कइ जघा म मिलथे। इहां तइहा जग म रामायण काल के वर्णन मिलथे। बड़े बड़े राजा महाराज अउ बैपार के केंद्र होवे के कारण इंहा के महत्त्व हर अउ अड़बड़ हे। सन् 2007 से सरलग चलत खोदाई ले पता चलथे। अउ लगातार मिलत नवा नवा जिनिस मन इंहा के संग्रहालय में रखे जिनिस मन ल देखे में लागथे के हमर छ.ग. हर कतेंक जिनिस मन ल अपन कोरा मा समेटे बैइठे हे।

प्र.15 पचराही के खोदाई ले मिले जिनिस मनके सूची बनावव।

उ. पचराही ले मिले जिनिस के सूची निम्नानुसार हावय:

i. प्रागैतिहासिक काल ले मुग़ल काल के अवशेष

ii. दू जलीय प्राणी (जीवाश्म) मौलुस्का (घोंघा) पाइला(सीप) परिवार

iii. उत्तर पाषाणकाल अउ मेसोलिथिक काल के बारीक औजार

iv. खोदाई ले ईंटा के बने मंदिर

v. सोमवंशी काल के पार्वती अउ कार्तिक के पट

प्र.16 समानार्थी शब्द बनाइये? (छत्तीसगढ़ी से हिंदी)

1. नानकुन
   = छोटा
2. पहिली
   = पहले
3. पाछू
   = पीछे
4. उपर
   = ऊपर
5. सरलग
   = लगातार
6. तइंहा जग
   = प्राचीन काल
7. अगासदिया
   = आकाश दीप

==========

पाठ – 5

इब्राहीम गार्दी

- श्री वृन्दावन लाल वर्मा

प्र. 1 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-

1. सन् 1761 ई. में ..... का युद्ध हुआ था।
   उ. पानीपत का
2. मराठों का सेनापति ..... था।
   उ. इब्राहीम गार्दी
3. इब्राहीम के नाम से घृणा ..... को थी।
   उ. अब्दाली
4. इब्राहिम काफी ..... हो गया था।
   उ. घायल
5. अवध का नवाब ..... था।
   उ. शुजाउद्दौला

अति लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.2 गार्दी को कहाँ पकड़कर रखा था?

उ. शुजाउद्दौला के टीले में अब्दाली के छावनी के भीतर ही गार्दी को पकड़कर रखा गया था।

प्र.3 शुजाउद्दौला ने अब्दाली से क्या अनुरोध किया?

उ. शुजाउद्दौला ने अब्दाली से अनुरोध किया कि इस समय गार्दी काफी घायल हो गया है, अच्छा हो जाने पर पेश कर दूंगा।

प्र.4 गार्दी किसके सामने लाया गया?

उ. गार्दी अब्दाली के सामने लाया गया।

प्र.5 अब्दाली कहाँ का शासक था?

उ. अहमदशाह अब्दाली अफगान का शासक था।

प्र.6 अब्दाली ने गार्दी को क्या सजा दी?

उ. अब्दाली ने इब्राहीम गार्दी को टुकड़े-टुकड़े करके वध करने की सजा दी।

प्र.7 इब्राहीम गार्दी क्यों दुखी हुआ?

उ. गार्दी सदाशिव राव भाऊ के मारे जाने पर दुखी हुआ तथा दोनों हाथों से सिर थाम कर कहा उफ्!

लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.8 पानीपत का युद्ध कब और किसके बीच हुआ था?

उ. पानीपत का युद्ध सन् 1761 ई. में हुआ था। यह युद्ध अहमदशाह अब्दाली और मराठों के बीच हुआ था।

प्र.9 इब्राहीम गार्दी कौन था?

उ. इब्राहीम गार्दी मराठों का सेनापति था। उसने सन् 1761 के पानीपत के युद्ध में भाग लिया था, वह धर्मपालक एवं सच्चाई के मार्ग पर चलने वाला था।

प्र.10 अब्दाली ने किसको प्रलोभन दिया?

उ. अब्दाली ने इब्राहीम गार्दी को अपनी फ़ौज में नौकरी देने का प्रलोभन दिया पर गार्दी की दृढ़ता के सामने वह कामयाब न हो सका।

प्र.11 एक अंग कटने पर गार्दी के मुख से क्या शब्द निकला?

उ. एक अंग कटने पर गार्दी के चीख में से निकला "मेरे ईमान पर पहली नियाज"

प्र.12 दूसरे अंग कटने पर गार्दी के मुख से क्या शब्द निकला?

उ. दूसरे अंग कटने पर क्षीण स्वर में निकला- "हम हिन्दू-मुसलामानों की मिट्टी से ऐसे सूरमा पैदा होंगे, जो वहशियों और जालिमों का नामों निशान मिटा देंगे"।

प्र.13 इब्राहीम के नजरिये में मुसलमान कौन है?

उ. इब्राहीम गार्दी के नजरिये में मुसलमान वह है जो आत्मा से इस्लाम को मानता हो तथा अपने मुल्क के साथ गद्दारी न करता हो।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र.14 गार्दी ने अब्दाली को क्या उत्तर दिया?

उ. इब्राहीम गार्दी ने कहा, "खुदा अरबी, फारसी या पश्तों जबान को ही समझता है क्या, वह मराठी या फ़्रांसिसी नहीं जानता क्या खुदा राम नहीं है और क्या राम और रहीम अलग हैं?"

इब्राहिम गार्दी ने, अहमदशाह अब्दाली के प्रश्नों के उत्तर व्यंग्यात्मक तरीके से देता है। इन प्रश्नों के उत्तर से अब्दाली काफी क्रोधित हो उठता है और अन्य व्यग्य भरे प्रश्न करते हैं। इन सब प्रश्नों का उत्तर गार्दी काफी सूझ बूझ और इमानदारी तथा सच्चाई के साथ देता है। लेकिन अहमदशाह अब्दाली अपने अड़ियल रवैये के चलते, गार्दी के जवाब से संतुष्ट नहीं हो पाता।

प्र.15 गार्दी की चारित्रिक गुणों का वर्णन कीजिये?

उ. 15 गार्दी के चारित्रिक गुण निम्नलखित हैं:

1. देशभक्त: गार्दी महान देशभक्त है, तभी तो वह अब्दाली की फ़ौज की नौकरी ठुकरा देता है।
2. सेनापति: गार्दी महान सेनापति है, वह मराठों के दस हजार सैनिकों वाली सेना का सेनापति है।
3. वीर: गार्दी सच्चा वीर है, तभी तो घायल होने पर भी अब्दाली के दरबार में पेश हो जाता है।
4 धर्मप्रिय: गार्दी धर्मप्रिय है, वह अपने धर्म के प्रति अन्तिम क्षण तक अडिग रहता है, अपना नियाज पेश कर जाता है।
5. ईमानदार: गार्दी के ईमानदार और दृढसंकल्प के आगे नौकरी हेतु अब्दाली का प्रयास असफल हो जाता है।
6. कर्तव्यपरायण: अपने कर्तव्य पालन में मातृभूमि की सेवा में न्यौछावर हो गये।
7. निर्भीक: अब्दाली के दरबार में निर्भीकता के साथ पेश होता है, अपने घावों की परवाह किये बिना अपना कर्तव्य निभाता है।

प्र.15 गार्दी किस प्रकार मातृभूमि को समर्पित हो जाता है?

उ. गार्दी को जब युद्ध में घायल हो जाने के बाद बंदी बना लिया जाता है और उसे कई तरह के प्रलोभन (लालच) दिया जाता है। यहाँ तक की अब्दाली उसको अपनी फ़ौज में नौकरी देने का लालच देता है। लेकिन गार्दी सच्चा मुसलमान है, गार्दी को अपने धर्म और मुल्क दोनों पर

अभिमान है। अब्दाली जब हर प्रकार से गार्दी को समझाकर थक जाता है, तब वह अपनी क्रूरता का परिचय देता है, और अंत में इब्राहीम गार्दी को सजा सुनाता है कि इसके टुकड़े टुकड़े करके वध किया जाए। तब सजा पालन के लिए उनके टुकड़े टुकड़े किया जाता है तब गार्दी के चीख में से ये शब्द निकलते हैं।

गार्दी – "मेरे ईमान पर पहली नियाज"

दूसरे क्षीण स्वर में - "हम हिन्दू-मुसलामानों की मिट्टी से ऐसे सूरमा पैदा होंगे, जो वहशियों और जालिमों का नामों निशान मिटा देंगे"।

प्र.17 विदेशी शब्दों का हिंदी अर्थ लिखिए-

तौबा, यकीन, शागिर्दी, वक्त, बुतपरस्त, वहशी, मुल्क

उ. तौबा = दोबारा न करना
यकीन = विश्वास
शागिर्दी = चेला
वक्त = समय
बुतपरस्त = मूर्तिपूजक
वहशी = दरिंदा
मुल्क = देश

==========

पाठ – 6

जो मैं नहीं बन सका

- डॉ. ज्ञान चतुर्वेदी

प्र. 1 सही विकल्प चुनिए-

i. कुत्ता था-

अ. सुस्त ब. सुन्दर स. फुर्तीला द. डरपोक

उ. स. फुर्तीला

ii. खिलाफ था मैं-

अ. जुआ के ब. पैसा के स. पत्थर के द. तोड़फोड़ के

उ. द. तोड़फोड़ के

iii. लम्बी जुल्फों वाले थे-

अ. बढ़ई ब. ड्राइवर स. गेटकीपर द. जादूगर

उ. स. गेटकीपर

iv. एडवांस के लिए गिड़गिड़ाता है-

अ. ड्राइवर ब. पेंटर स. इंजीनियर द. मैनेजर

उ. ब. पेंटर

v. मैं 6वीं की परीक्षा में फेल हो गया था-

अ. तिमाही ब. नौमाही में स. छःमाही में द. वार्षिक में

उ. स. छःमाही में

अति लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.2 गाँव का लम्बे जुल्फोंवाला लड़का क्या बन गया था?

उ. गाँव का लम्बे जुल्फों वाला लड़का गेटकीपर बन गया था।

प्र.3 पेंटर का क्या कार्य होता है?

उ. पेंटर का कार्य होता है – फिल्मों का पोस्टर बनाना या पेंटिंग करना।

प्र.4 गेटकीपर का क्या फायदा होता है?

उ. गेटकीपर का फायदा है कि प्रतिदिन के फिल्मों का तीनों शो मुफ्त में देखने को मिल जाता है।

प्र.5 गेटकीपरी का भूत लेखक के सिर से कैसे उतरा?

उ. गेटकीपरी का भूत लेखक से सिर से ऐसे उतरा-जब गेटकीपर बनकर पहला टिकट अपने पिताजी का काटा और पिताजी पहचान लिए और खूब पिटाई की।

प्र.6 पेंटर क्यों गिड़गिड़ा रहा था?

उ. पेंटर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी, इसलिए वह दस रुपये एडवांस के लिए गिड़गिड़ा रहा था।

लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.7 लेखक 6वीं की अर्ध वार्षिक परीक्षा में क्यों फेल हो गया था?

उ गाँव के फट्टा टाकीज का गेटकीपर बनने के चक्कर में पढ़ाई नहीं करता था, इसलिए अर्धवार्षिक परीक्षा में फेल हो गया था।

प्र.8 लेखक बचपन में क्या-क्या बनना चाहता था?

उ. लेखक बचपन में निम्नलिखित इच्छा के अनुसार बनना चाहता था-

1. पेंटर, 2 गेटकीपर, 3 हेडमास्टर, कभी चपरासी, कभी पहलवान, कभी जादूगर आदि।

प्र.9 लेखक को सबसे पहले किसने प्रभावित किया था?

उ. लेखक को सबसे पहले पेंटर ने प्रभावित किया था। लेखक मन में सोचता था- दिनभर फिल्मों के पोस्टर बनाओ और खूब पैसा कमाओ। दुनिया में शान है तो सिर्फ पेंटर की।

प्र.10 धूम्रपान का क्या दुष्परिणाम होता है?

उ. धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है, इससे टी.बी. कैंसर जैसी भयानक और लाईलाज बिमारी होती है, अतः व्यक्ति की मृत्यु भी हो जाती है। इसलिए हमें धुम्रपान से बच कर रहना चाहिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र.11 पहलवान बनने का इरादा लेखक ने क्यों त्याग दिया?

उ. पहलवान बनने के इरादा लेखक ने इस लिए त्याग दिया- सुबह चने खाकर दौड़ाने से व्यक्ति पहलवान हो जाता है, मैं दो दिन तो ठीक ठाक दौड़ लिया, लेकिन तीसरे दिन एक मरियल सा, परन्तु फुर्तीला कुत्ता मेरे पीछे दौड़ाने लगा। मैं उस कुत्ते से बचने के लिए बहुत दौड़ा और शायद दौड़ता ही रहता यदि सड़क से सटा हुआ गड्ढा न होता, कुत्ता कुछ मजाकिया भी था, वह गड्ढे तक आकर मुंह बनाकर भौं भौं करके हँसता रहा और वापस चला गया, मैं राणा सांगा की तरह यहाँ वहां से घायल हो गया। लंगड़ाते हुए घर लौटने में मैंने तय किया कि पहलवानी में शरीर तोड़फोड़ के कई अवसर रहते हैं। अतः मैंने पहलवानी भावना को त्याग दिया।

प्र.12 हेडमास्टर बनने का इरादा क्यों त्यागा लेखक ने?

उ. हेडमास्टर की शान कितनी निराली होती है। जैसे प्रार्थना होती है कि – दस बारह बच्चों को तबियत से झापड़ रसीद करो और अपने कमरे में बैठ जाओ, बीच बीच में कमरे से

निकलकर पुनः इस क्लास से उस क्लास में घुसकर बच्चों पर आघात हमले करो, और शाम की घंटी बजते ही छाता उठाकर रास्ते में बच्चों को मारते हुए घर चले जाओ। मैंने तय किया कि जिंदगी में हेडमास्टर ही बनना है। अब तो नकली मूंछ लगाकर प्रैक्टिस अपने छोटे भाइयों पर करने लगा। परन्तु इसी बीच जिला शिक्षा अधिकारी ने अपने दौरे पर हम लोगों के सामने ही हेडमास्टर साहब को ऐसा फटकारा कि मेरा सारा उत्साह भंग हो गया। मैंने अब हेडमास्टर बनने की इच्छा त्यागी। मैंने तय किया कि अब कभी भी हेडमास्टर नहीं बनूँगा।

प्र.13 लेखक ने जादूगर बनने की इच्छा क्यों त्यागी?

उ. मैंने जब जादूगर के बारे में सुना तब जादू देखने की इच्छा हुई और में जादू देकने तम्बू में घुस गया। वाह क्या खेल था। अब मैंने जादूगर बनने की ठान डाली। बढ़िया चमकीली शेरवानी पहनकर, रंगीन छींटदार सफा लगाये वह जादूगर जादू की छड़ी पानी के गिलास पर घुमाकर चुररेट बोलता और पानी कि चाय बन जाती है। चुररेट बोल कर कागज के नोट बनाये, लड़के को बकरा बनाया, खाली हाथ में हवा से लड्डू बनाया। जब मैंने उसकी तम्बू में झांक कर देखा तो जादूगर पैसे के लिए अपने लडके को डांट रहा था। उसकी दुर्दशा देखकर मैंने अब जादूगर बनने की इच्छा त्यागी।

प्र.14 घंटी बजाने वाले को नौकरी से क्यों निकाल दिया गया?

उ. घंटी बजाने वाले को नौकरी से इसलिए निकाल दिया गया क्योंकि उसकी नौकरी बीस बरस बाद भी कच्ची थी। और उसकी जगह एक नया आदमी आ गया था। जो हेडमास्टर साहब के घर मुफ्त में पानी भरता था, बड़ा रोया वह पर किसी ने कुछ नहीं सुनी उसकी। मेरा अब एक और सपना टूट गया।

प्र.15 एक वचन से बहु वचन बनाइये?

व्यक्ति, मैं, गाँव, नौजवान, मेरा, धंधा

उ.

एकवचन	बहुवचन
व्यक्ति	= व्यक्तियों
मैं	= हम
गाँव	= गांवों
नौजवान	= नवजवानों
मेरा	= हमारा
धंधा	= धंधों

पाठ – 7

दीदी की डायरी

- संकलित

प्र. 1 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-

i. संजू एक ..... लड़की है।

उ. सयानी

ii. बापू के पुस्तक का नाम है.....।

उ. सत्य का प्रयोग

iii. पिताजी बहुत ..... हुए।

प्रसन्न

iv. दैनिक क्रियाकलापों का अंकन ..... में होता है।

उ. डायरी में

v. संजू कक्षा ..... में पढ़ती है।

आठ (8वीं)

अति लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.2 डायरी लेखन किसे कहते हैं?

उ. दिन भर के क्रियाकलापों को अंकित करना ही डायरी लेखन कहलाता है।

प्र.3 संजू ने किसकी डायरी पढ़ी?

उ. नन्ही संजू ने दीदी की डायरी पढ़ी, क्योंकि वे भी डायरी लिखना चाहती थी।

प्र.4 नन्हीं संजू को अपनी सहेली पर गुस्सा क्यों आया?

उ. संजू को गुस्सा इसलिए आया क्योंकि उसकी सहेली अपनी इच्छाओं का गला दबाती रहती थी।

प्र.5 नन्ही संजू ने साहित्य की कौन-कौन सी पुस्तकें पढ़ीं और क्यों?

उ. नन्हीं संजू ने गाँधी साहित्य पढ़ा, बापू के सत्य के प्रयोग पुस्तक बहुत पसंद आई, बापू ने इन प्रयोगों को अपनी डायरी में लिखा था।

प्र.6 संजू की दीदी ने संजू का हौसला कैसे बढ़ाया?

उ. संजू की दीदी ने डायरी लिखने के उपाय बताकर संजू का हौसला बढ़ाया।

लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.7 डायरी में किस-किस प्रकार चीजों का जिक्र होता है?

उ. डायरी में लेखक अपने दिन भर के कार्यों, गतिविधियों को डायरी में लिखता है, वह जो कुछ देखता है, सोचता है, इन सब बातों को डायरी में प्रतिदिन लिखता है।

प्र.8 पिकनिक के बारे में वर्णन कीजिये?

उ. पिकनिक जाने के बाद तालाब के पास का शांत वातावरण, हरियाली से युक्त सुन्दर स्थान हम चारों सईदा, नीलू, विमला तथा संजू इधर-उधर घुमते रहे। झूलों पर झूले, मछलियों को देखे ठीक उसी समय बहनजी ने बुला लिया।

प्र.9 डायरी लिखने का सही समय कब होता है?

उ. डायरी लिखने का कोई भी समय उपयुक्त होता है, लेकिन दीदी के अनुसार रात्रि का समय अधिक उपयोगी सिद्ध होता है, क्योंकि रात्रि में वातावरण पूर्ण रूप से शांत रहता है। दिन भर के परिस्थितियों का वर्णन ज्यों-का-त्यों करना होता है।

प्र.10 संजू की दीदी ने क्या-क्या करतब दिखाए?

उ. संजू की दीदी ने करतब दिखाया जिसने जो फल चाह, उसे उसी फल की खुशबू सुंघा दी जो मिठाई मांगी वही चखा दी।

प्र.11 बालिका शिक्षा पर दीदी के क्या विचार हैं?

उ. संजू के दीदी के मन में विचार आया कि लड़कियों को पढ़ने का पूरा पूरा अवसर मिलना चाहिए। दुनिया भर की लड़कियां क्या क्या करतब दिखा रही हैं और हम हैं कि चूल्हे चौके के चक्कर में किसी तरह उबर नहीं पाती हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र.12 रिक्शावाले के छींक का संजू पर क्या असर पड़ा?

उ. रिक्शावाले की छींक सुनते ही दादी मान ने कहा- "बिटिया आज स्कूल न जाओ" सामने का छींक है, संजू का मन भी मैला हो गया था। किंतु संजू के विद्यालय में उस दिन अभिनय करना था। वह सोची "जो होगा सो देखा जायेगा" हिम्मत करके संजू चल दी। संजू को अभिनय की प्रसंशा हुई और पुरस्कार भी मिला। अब संजू अपशकुनों के फेर में पड़ने वाली न थी। इस दिन से लेकर आज तक वह दकियानूसी बातों में नहीं रहती है।

प्र.13 संजू पूरे दिन उदास थी, क्यों?

उ. आज संजू की सहेली नीलू की पढाई छूटने वाली थी, क्योंकि नीलू के घर वालों ने उसकी शादी तय कर दी थी। नीलू संजू के गले लगकर रोने लगी और कहने लगी, "बहिन पढ़ने का बेहद मन है, पर क्या करूँ? कोई मेरी बात सुनता ही नहीं" इसलिए पूरे दिन भर संजू उदास बैठी थी।

प्र.14 तोतोचान के व्यक्तित्व के बारे में वर्णन कीजिये।

उ. तोतोचान जिस स्कूल में पढ़ती थी वह स्कूल रेल के छः डिब्बों में चलता था। जो जहाँ चाहे बैठे, जो जहां चाहे पढ़े, शिक्षक का कोई डर नहीं। उन्हें पूरी आजादी थी। तोतोचान एक मनमौजी लड़की थी, उसे रेल के डिब्बे के स्कूल जम गयी थी। संजू सोचती है की, "क्या हमें भी पढ़ने की ऐसी आजादी मिल सकती है?"

तोतोचान जैसी स्वतंत्रता यदि मिल जाये तो बालिका शिक्षा का उद्देश्य भी काफी हद तक पूर्ण हो जाए।

प्र.15 आप अपने विद्यालय और तोतोचान के विद्यालय में क्या फर्क महसूस करते हैं?

तोतोचान के विद्यालय की कक्षाएं रेल के डिब्बे में थी, गहरी जड़ों वाला पेड़, स्कूल का गेट, पेड़ की शाखा, बच्चों के खेलने के लिए कोने थी। और हमारे विद्यालय में पक्की इमारतें हैं और खेलने के लिए बड़ा सा मैदान। तोतोचान के विद्यालय में खेलना अधिक पढ़ना कम था।

प्र. 16 डायरी लिखने के क्या-क्या लाभ हो सकते हैं?

उ. 1. डायरी में लेखक का व्यक्तित्व झलकता है।

2. डायरी पढकर लेखक के दृष्टिकोण को समझा जा सकता है।

3. नियमित डायरी लेखन से भाषा परिष्कृत होती है।

4. महत्वपूर्ण व्यक्तियों की डायरी साहित्य इतिहास की धरोहर होती है।

5. गद्य के विकास होता है।

प्र.17 समास विग्रह कीजिये?

आलू-मटर, माता-पिता, जन्म-मृत्यु, लाभ-हानि, राजा-रानी, भाई-बहन

	शब्द	समास विग्रह	समास विग्रह
1.	आलू-मटर-	आलू और मटर	द्वंद्व समास
2.	माता-पिता-	माता और पिता	द्वंद्व समास
3.	जन्म-मृत्यु-	जन्म और मृत्यु	द्वंद्व समास
4.	लाभ-हानि-	लाभ और हानि	द्वंद्व समास
5.	राजा-रानी	राजा और रानी	द्वंद्व समास
6.	भाई-बहन	भाई और बहन	द्वंद्व समास

==========

पाठ – 8

एक साँस आजादी के

- डॉ. जीवन यदु

प्र. 1 सही विकल्प चुनिए-

1. एक साँस आजादी के कवि हैं-

अ) डॉ. जीवन यदु ब) डॉ. अनिल

स) डॉ. दीपक शर्मा द) डॉ. रमेश

उ. अ) डॉ. जीवन यदु

आ)लहू के नदिया तऊँर निकलथे-

अ) डरपोक ब) शासक

स) बीर द) सेवक

उ. स) बीर

इ) सबो परानी बर आजादी होथे-

अ) धरम ब) करम बरोबर

स) जलन द) वतन

उ. ब) करम बरोबर

ई) सोन के पिंजरा म आजादी होथे-

अ) भरम ब) करम

स) सरम द) गरम

उ. अ) भरम

उ) आजादी के सुक्खा रोटी ज्यादा-

अ) चुरतुर ब) अम्मट

स) गुरतुर द) नुनछुर

उ. स) गुरतुर

अति लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.2 आजादी के एक साँस काकर बरोबर होथे?

उ. आजादी के एक साँस ह सौ जन्म बरोबर होथे।

प्र.3 संसार म कोन मनखे के बदनामी होथे?

उ. जेन मनखे मन हर बैरी मन ल घोलंड के जोहारथे उखर के बदनामी संसार में होथे।

प्र.4 लहू के नदिया तऊंर के कोन निकलथे?

उ. लहू के नदिया ल तऊंर के बीर ह निकलथे।

प्र.5 कवि ह आजादी ल जम्मो विकास के जर काबर केहे हे?

उ. आजादी ह विकास के रद्दा खोलथे, गुलाम मनखे हर अपन मर्जी के कुछ काम नई कर सके। एकरे सेती आजादी ल जम्मो के जर कहे जाथे।

लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.6 आजादी ह कइसे करम बरोबर होथे?

उ. आजादी ह सब मनखे बर "करम" बरोबर आय। जेन मनखे ह करम नइ करे ओला गुलामी के जिनगी जिये बर परथे।

प्र.7 आजादी के लड़ाई म कोन कोन ल फांसी हो गिस?

उ. आजादी के लड़ाई म हमर अमर सहीद मन ल फांसी होगिस। जे नाव खाल्हे लिखे हे-

1. भगत सिंह
2. राजगुरु
3. सुखदेव

प्र 8. आजादी के लड़ाई म कोन कोन जेल ल पाइन?

उ. आजादी के लड़ाई म सबले पहिली जेल ल पाइन

1. महात्मा गाँधी
2. विपिन चंद्र पाल
3. लाला लाजपत राय

प्र.9 आजादी के बिन जिनगी कैइसे बिरथा हे?

उ. आजादी के बिन जिनगी बिरथा हे, काबर गुलाम मनखे मन अपन स्वतन्त्र जिनगी जिये के अधिकार नइ रहय, सब, सपना म घलो सुख नइ मिलय, एखरे सेती आजादी के बिना जिन्दगी बिरथा हे।

प्र.10 सोन के पिंजरा म आजादी काकर बरोबर होथे?

उ. सोन के पिंजरा में आजादी एक भरम बरोबर होथे, एक धोखा के बरोबर होथे, एक तरह ले देखावा होथे। पर वास्तव म नइ राहय। एखरे सेती सोन के पिंजरा म आजादी ह भरम बरोबर होथे।

प्र.11 आजादी के का महत्त्व हे?

उ. कवि ह कहिथे कि जीयत मनखे मन बर आजादी हर धरम बरोबर होथे, एक साँस हर सौ जनम बरोबर होथे। अइसन मनखे मन ह जेन बैरी के स्वागत करथे वो मन के जग में जादा बदनामी होथे, अइसन मनखे मन ल लाज सरम कुछु नइ लागय। अइसन मनखे मन बेसरम बरोबर होथे। जेकर सेती देश ल घलो नुकसान उठाये ल परथे, अइसन मनखे मन ल बदनामी ले घलो कुछु फरक नइ परय।

प्र.12 सूरुज कतका बेर निकलथे?

उ. जेन समे बीर ह लहु के नदिया ल तऊंर के निकलथे उही बेरा म सुरुज घलो निकलथे। मेघ के करिया बादर वाला घेरा, उजियारी ले तभे उसलथे अंधियारी के डेरा। सबो परानी बर आजादी करम बरोबर होथे। जेन आदमी ल, अपन करम करे बर नइ आय, अइसन मनखे मन के जिनगी म फकते दुःखेच दुःख मिलत रहिथे, एकरे सेती हमन ल चाही के सब झन अपन प्रन प्रान ले अपन करम ल करना हे।

प्र.13 न समझ मन के फायदा ल कोन उठाथे?

उ. न समझ मनखे मन के फाइदा ल हर कोई उठाथे। जेला नइ हे आजादी के एको कनी चिन्हारी, त अइसन ओन्हारी ल दुसर के कोठा के (बैला) बइला मन चरथे। ओखर ओन्हारी अउ बारी ल,खेत ल, जंगल ल, समझदार मनखे मन बर आजादी के बासी आगू बिरथा होथे। सोन के थारी, सोन के पिंजरा म आजादी भरम बरोबर होथे, फेर ना समझ मनखे मन ए सब ले कुछ लेना देना नइ राहय। अइसने मनखे मन अपन साथ साथ देश के घलो अड़बड़ नुक्सान करवाथे।

प्र.14 माढ़े पानी ह काबर नइ गावे गाना?

उ. माढ़े पानी ह कभू गाना नइ गा सके। गाना गाये बर ओला आगू बोहाय बर परही। तभे ऊंहा ले सुघ्घर गाना के सुर अऊ धुन निकल सकही। एकरे सेती कहे जाथे-

माढ़े पानी ह नइ गावय खलबल खलबल गाना,
बिना नहर के पानी के उपजय न एको दाना,
जेन मनखे हर अपन गोड़ के बंधना ल छोरथे,
उही मनखे ल ओखर आखिरी मंजिल ह मिल पाथे,

एखरे सेती कहे जाथे के आजादी ह सब विकास मरम बरोबर होथे, सब विकास के जर के सामान होथे। त हमू मन ल अपन बंधना ल छोर के आगू आगू बढ़ना चाही।

प्र.15 छत्तीसगढ़ी के मुहावरा मन ल अपन भाषा म लिखव?

उ. छत्तीसगढ़ी के प्रमुख मुहावरा निम्लिखित है-

1. बइरी मन ल घोलंड के लामा लामी जोहारना।
2. लहू के नदिया तऊंर के निकलना।
3. उजियारी ले अंधियारी के डेरा उसलना।
4. पर के कोठा के बइला।
5. ठाढ़े पानी खलबल खलबल गाना नइ गावय।
6. अपन गोड़ के बंधना छोरना।

प्र.16 काल बदलिए? (छत्तीसगढ़ी में)

उ. निम्नलिखित हे – हिंदी में अर्थ

1. वर्तमान काल = होथे (होता है)
2. भूतकाल = होय रिहिस (हुआ था)
3. भविष्य काल = होही (हुआ होगा)

==========

पाठ – 9

साहस के पैर

- श्री जयशंकर अवस्थी

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-

1. ट्रेन दुर्घटना में अपंग हो जाता है..... ही है।

उ. (अचल)

2. अचल का नया नाम ..... रखा गया है।

उ. (तैमूर लंग)

3. स्टेशन पर ..... मच गया।

उ. (कुहराम)

4. पिता जी ..... खड़े थे।

उ. (गुमसुम)

5. मास्टर जी ..... हो उठे।

उ. (द्रवित)

अति लघुत्तरीय प्रश्न

2. ट्रेन दुर्घटना के किसका पैर कट जाता है?

उ. ट्रेन दुर्घटना में अचल का पैर कट जाता है।

3. अचल को तंग करने वाला लड़का कैसे दिखता है?

उ. अचल को तंग करने वाला लड़का मोटा और नाटा दिखता है।

4. अचल की पीठ किसने थपथपाया?

उ. अचल की पीठ मास्टर जी ने थपथपाया।

5. मास्टरजी ने क्या उपदेश दिया?

उ. मास्टरजी अचल के साथ सहानुभूति रखने के उपदेश कक्षा में छात्रों को दिए थे।

6. किसका तबादला हो गया था?

उ. अचल श्रीवास्तव के पिता जी का।

लघुत्तरीय प्रश्न

7. अचल कौन था?

उ. अचल के दोनों पैर सही सलामत थे, उसके पिताजी का तबादला हो जाने पर वे ट्रेन से जा रहे थे। अचल स्टेशन पर पानी भरने उतरा था इस बीच ट्रेन चलने लगी और उसका पैर फिसल गया और एक पैर कट गया।

8. अचल को रात में नींद क्यों नहीं आयी?

उ. अचल को रात में नींद नहीं आयी क्योंकि वह सहपाठी द्वारा चिढ़ाए जाने के कारण परेशान और दुखी था। वह सोच रहा था कि आखिर लड़के उसे क्यों चिढ़ाते थे? वह किस तरह प्रतिक्रिया करे कि लड़के चिढ़ाना बंद कर दें।

9. साहस के पैर के माध्यम से क्या कहना चाहता है लेखक?

उ. लेखक कहना चाहता है कि हमारी शारीरिक बनावट हमारे भावों की अभिव्यक्ति और सृजनात्मक क्षमता के आड़े नहीं आती, बल्कि हमें अपने कार्यों के प्रति और अधिक उत्साही बनाती हैं।

10. अचल ने कैसे सिद्ध कर दिया कि वह अचल नहीं सचल है?

उ. अचल ने सिद्ध कर दिया जब उसके साथी चिढ़ाना शुरू करते तब वह अपने अन्दर के आत्मविश्वास को और अधिक सुदृढ़ कर जाता और चिढाने वाले शब्दों पर ध्यान देना ही बंद कर दिया। जिससे लड़कों ने अब रूचि लेना ही छोड़ दिया, इस तरह अचल ने सिद्ध कर दिया कि वह अब अचल नहीं सचल है।

11. अचल को कौन चिढ़ाते थे?

उ. वह मोटा तथा नाटा कद का लड़का सबसे पहले चिढ़ाना शुरू करता और फिर बाद में अन्य लड़के लोग भी उसका साथ दिया करते थे। कोई अचल की भावना को नहीं समझ पाते थे कि उसे बहुत दुःख होता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

12. चलती ट्रेन पर चढ़ना उतरना दुर्घटना को आमंत्रण देना है, सिद्ध कीजिये।

उ. चलती ट्रेन पर चढ़ना उतरना दुर्घटना को निमंत्रण देना ही है – इस दुर्घटना को निम्न उपायों के द्वारा रोका जा सकता है-

1. किसी भी स्टेशन पर बिना कारण के नहीं उतरना चाहिए।
2. अगर ट्रेन चलने लगे तो अपने मित्रों को जंजीर खींचने को कहें।
3. कसी स्टेशन पर अधिक भीड़ हो तो अगले स्टेशन तक रुकने का प्रयास करें।
4. अपने रिश्तेदारों या मित्रों से पूछकर ही ट्रेन से उतरें।
5. आवश्यक सामग्रियां हो सके तो अपने साथ पहले से ही रख कर चलें।

13. समावेशी शिक्षा के अंतर्गत दिव्यांग बच्चे और सामान्य बच्चे के बीच की समस्याओं को देखते हुए कौन कौन सी सुविधाएँ दी जानी चाहिए?

उ. दिव्यांग बच्चों को निम्नलिखित को सुविधाएं दी जानी चाहिए-

1. दिव्यांग बच्चों को शिक्षण शुल्क में छूट देनी चाहिए।
2. दिव्यांग बच्चों को उनके अनुसार व्हील चेयर देनी चाहिए।
3. स्कूल से आने-जाने के साधन उनके अनुकूल होनी चाहिए।
4. मनोदया के अनुरूप कक्षा का वातावरण बनाया जाना चाहिए।
5. गरीब छात्र-छात्राओं को शासन की योजना का अधिक लाभ मिलें।

14. अचल को ऐसा क्यों लगा कि किसी ने उसके दिल को मुट्ठी में दबोचकर मसल दिया है?
उ. अचल कक्षा में प्रवेश करता है तब उसके सहपाठी कहते हैं, कि इस वर्ष हमारे कोर्स में "तैमूर लंग" वाला अध्याय है। तैमूर लंग, कैसा उठता था, कैसा चलता था। कक्षा में ठहाकों तालियों और सीटियों से गूंजने लगी। तब अचल को लगा कि किसी ने उसके दिल को मुट्ठी में दबोचकर मसल दिया हो क्योंकि तैमूर लंग की तरह ही अचल भी दुर्घटना का शिकार हुआ था।

15. अचल का चरित्र चित्रण कीजिये?
उ. कहानी का प्रमुख चरित्र है, अचल। अचल का व्यक्तित्व अपनी चुनौतियों के साथ हमें बहुत प्रभावित करता है, क्योंकि अचल अपना एक पैर गवां चुका था, किंतु उसने अपने मनोबल को नहीं खोया। यही साहस उसे बिना थके सदैव आगे बढ़ते रहने की शिक्षा देता है, और हम सभी को प्रेरित करता रहता है। शारीरिक अक्षमता से मन की दृढ़ता को नहीं हराया जा सकता है, अर्थात् जीत तो हमेशा मन के सुदृढ़ता की ही होती है। मानसिक श्रेष्ठता के आगे शारीरिक शिथिलता भी जवाब दे जाती है।

16. पर्यायवाची शब्द बनाइये?

मोटा, नाटा, गरीब, बादशाह, ठिगना, नक्शा, पग, शहंशाह, फ़िक्र, अचल, अडिग, साहस

क्र.	शब्द	पर्यायवाची शब्द
1.	मोटा	स्थूल (बड़ा)
2.	नाटा	बौना (छोटा)
3.	गरीब	निर्धन
4.	बादशाह	राजा
5.	ठिगना	छोटा
6.	नक्शा	मानचित्र
7.	फ़िक्र	चिंता
8.	साहस	हिम्मत
9.	पग	पैर

==========

पाठ – 10

प्रवास

- श्री सलीम अली

1. बहुविकल्प चुनिए-

1) प्रवास का अर्थ होता है-

अ) अस्थाई रूप से निवास
ब) स्थाई निवास
स) उपवास
द) रहवास

उ. अ) अस्थाई रूप से निवास

2) चिड़िया प्रवास के लिए पार कर जाती है-

अ) राज्यों को
ब) द्वीप
स) समुद्रों
द) महाद्वीपों

उ. द) महाद्वीपों

3) सलीम अली हैं-

अ) पशु विज्ञानी
ब) पक्षी विज्ञानी
स) भू विज्ञानी
द) जीव विज्ञानी

उ. ब) पक्षी विज्ञानी

4) भारत से मई में चली जाती हैं-

अ) रोजी पेस्टर
ब) कौआ
स) उल्लू
द) गिद्ध

उ. अ) रोजी पेस्टर

5) चिड़ियों को प्रवास के दौरान खतरा पैदा होता है-

अ) पेड़ों का
ब) पानी का
स) मौसम और आंधी
द) भेड़ों का

उ. स) मौसम और आंधी

अति लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.2 प्रवासी चिड़िया किसे कहते हैं?

उ. जो चिड़िया एक देश से उड़कर दूसरे देश को चली जाती है और वहां कुछ समय बिताकर फिर लौट आती है, वही प्रवासी चिड़िया है।

प्र.3 चिड़ियों के प्रवास से सम्बंधित सबसे विशिष्ट बात क्या है?

उ. इनका प्रवास बिलकुल नियमित होता है। उसका रास्ता भी एक ही होता है। उनकी यात्रा की भविष्यवाणी की जा सकती है।

प्र.4 चिड़ियाँ प्रवास के लिए क्या-क्या तैयारी करती हैं?

उ. वे खाना अधिक मात्र में खाती हैं, ताकि चर्बी के एक तह सी बैठ जाए, जो उनकी यात्रा में शरीर को ताकत प्रदान करती है।

प्र.5 चिड़ियों को यात्रा के दौरान किन बातों का खतरा रहता है?

उ. चिड़ियों को यात्रा के दौरान आक्रामकों तथा बुरे मौसम, आंधी, अंधड़ में फंस जाती है, इनमें से बहुत सी मर भी जाती हैं। यात्रा हमेशा कठिन है।

लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.6 प्रवासी चिड़ियाँ रात्रि में ही यात्रा करती हैं क्यों?

उ. प्रवासी चिड़ियाँ रात में ही इसलिए यात्रा करती हैं क्योंकि रात में आक्रामकों से कम खतरा रहता है।

प्र.7 कुतुबनुमा का क्या अर्थ होता है'?

उ. कुतुबनुमा का अर्थ होता है दिशासूचक यंत्र, जिससे विभिन्न दिशाओं का ज्ञान प्राप्त किया जाता है। कुतुबनुमा की सहायता से दिन और रात्रि के समय भी दिशा का ज्ञान किया जा सकता है।

प्र.8 प्रवासी पक्षियों के बारे में जानकारी एकत्रित कीजिये?

उ. प्रवासी पक्षियों के बारे में जानकारी निम्न तरीके से की जा सकती है- पक्षियों को पकड़कर उनकी टांगों में एल्युमिनियम के छल्ले पहनाये जाते हैं। रजिस्टर में लिखा जाता है और फिर उन्हें छोड़ दिया जाता है।

प्र.9 प्रवासी चिड़ियाँ कब भारत आती हैं?

उ. प्रायः ये चिड़ियाँ शीतकाल में ही भारत आती हैं, यहाँ प्रजनन नहीं करती हैं। प्रायः मध्य एशिया या हिमालय के पर्वत श्रेणियों में रहती है। जाड़े के दिनों में भारत आती हैं।

प्.10 पक्षियों के प्रवास यात्रा हमेशा थकाऊ होती है? क्यों?

उ. पक्षियों कि प्रवास यात्रा हमेशा थकाऊ होती है- समुद्रों को पार करने में चिड़ियों को काफी समय लगता है, वे बिना रुके उड़तीहैं, अक्सर दल बुरे मौसम में फंस जाते हैं, जब वे जमीन पर उड़ रहे होते हैं तो ऐसे में बहुत सी चिड़ियाँ मर जाती हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र.11 विभिन्न प्रकार की चिड़ियाँ कम क्यों हो रही हैं?

उ. विभिन्न प्रकार की चिड़ियाँ दिन प्रतिदिन कम होती जा रही हैं

i. प्रवास के दौरान आंधी-तूफ़ान में उनकी मृत्यु हो जाती है।

ii. कुछ पक्षी शिकारियों का शिकार हो जाती हैं।

iii. अनुकूल वातावरण की कमी के कारण भी मर जाती हैं।

iv. वैश्विक स्तर पर चिड़ियों के कल्याण योजना की कमी के कारण।

v. जलवायु परिवर्तन भी एक कारण हो सकता है।

vi. मानवीय दोहन के दुष्परिणाम भी कारण हैं।

प्र.12 मुम्बई के पीलक और पतरिंगे प्रवास के लिए कब और कहाँ जाते हैं?

उ. मुम्बई के पीलक और पतरिंगे प्रवास के लिए मानसून के दौरान शहरी इलाके को छोड़कर थोड़ी दूर दक्षिण के पठार या मध्य भारत की ओर चले जाते हैं और सितम्बर के शुरू में लौट आते हैं। ये स्थानीय प्रवास के लिए जाते हैं। जो इनके लिए लाभप्रद होता है।

इस प्रकार चिड़ियाँ शीतलता की आस में आती हैं।

प्र. 13 "प्रवास" शब्द से आप क्या समझते हैं?

उ. "प्रवास" हम प्रवास के समय अपनी जरुरत की चीजों को साथ में लेकर चलते हैं।जैसे – पानी, भोजन, कपड़े और दवाइयां। प्रवास के समय यदि सभी आवश्यक वस्तुओं को साथ में न रखी जाए तो (मानव प्रवास) प्रवास बहुत ही कष्टकारी हो सकता है। यदि प्रवास का समय शीत ऋतु में होता हो तो हमें कपड़ों में गरम कपड़े साल, श्वेटर, जैकेट, स्कार्फ व अन्य सहायक कपड़ों के साथ जायेंगे। जबकि गर्मी या बरसात के समय तो हम बरसाती आदि व्यवस्था के साथ घर से निकलेंगे।

प्र. 14 प्रवासी पक्षियाँ अपनी जान जोखम में क्यों डालती हैं?

उ. प्रवासी पक्षियाँ अपनी जान जोखिम में इसलिए डालती हैं – कुछ चिड़ियाँ वर्ष में दो बार प्रवास करती हैं।कुछ चिड़ियाँ ठन्डे स्थानों से कम ठन्डे स्थानों की ओर चली जाती हैं, अधिकाँश चिड़ियों का प्रवास अपने प्रजनन स्थान जाना और प्रजनन पश्चात् लौट आना है। सूरज के किरणों से इनको प्रस्थान का समय पता चलता है। चिड़ियों की यह प्रवास यात्रा कठिन होने के साथ साथ खतरनाक भी होती है; अधिकांश प्रवासी चिड़ियाँ अपना जाड़ा काटने के लिए भारत आती हैं।

प्र.15 भारत में कहाँ पर पक्षियों के लिए सोसायटी बनाए गए हैं?

उ. भारत में "मुम्बई की नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी इस दिशा में अच्छा कार्य कर रही है। नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी मुम्बई के द्वारा पक्षियों को एल्युमिनियम के छल्ले पहना दिए जाते हैं, इन छल्लों पर क्रम संख्या और पहनाने वाले का पता दिया रहता है। किसी भी तरह से कुछ एक घटनाओं में या दुर्घटनाओं में पक्षियों के घायल होने कि स्थिति में भी नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी

मुम्बई को सूचित किया जा सकता है। और स्थानीय पक्षियों के विशेषज्ञों के द्वारा घायल पक्षियों का इलाज करके छल्लों को पहनाकर पुनः उन्हें स्वतन्त्र रूप से छोड़ दिया जाता है। इस तरह सोसायटी का कार्य काफी सराहनीय है।

प्र.16 विलोम शब्द लिखिए –

प्रस्थान, कनिष्ठ, वैयक्तिक, उत्थान, अनिवार्य

1. प्रस्थान

उ. - आगमन

2. कनिष्ठ

उ. - ज्येष्ठ

3. वैयक्तिक

उ. - सामूहिक

4. उत्थान

उ. - पतन

5. अनिवार्य

उ. - वैकल्पिक

==========

पाठ – 11

हमारा छत्तीसगढ़

- श्री लखन लाल गुप्ता

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-

a. छत्तीसगढ़ की गंगा ..... कहते हैं।

उ. राजिम को

b. कबीर पंथियों का तीर्थ स्थल .....है।

उ. दामाखेड़ा

c. वल्लभाचार्य की जन्म स्थली ..... है।

उ. चंपारण

d. नागपुर में ..... का तीर्थस्थल है।

उ. जैन अनुयायियों का

लघुत्तरीय प्रश्न

2. छत्तीसगढ़ की भूमि किस प्रकार उपकार करती है?

उ. छत्तीसगढ़ की भूमि, विभिन्न प्रकार के अन्न उपजाकर उपकार करती है।

3. महानदी का तट क्यों प्रसिद्ध है?

उ. महानदी के तट पर अनेक तीर्थ स्थित हैं, जो निरंतर धर्म की सुन्दर कथाएँ कहते रहते हैं, इसलिए प्रसिद्ध हैं।

4. छत्तीसगढ़ में कौन-कौन सी खनिज सम्पदा है?

उ. छत्तीसगढ़ में निम्लिखित खनिज सम्पदा भरे हैं-

लोहा, कोयला, तांबा, हीरा, बाक्साइड आदि

5. शिवरी नारायण क्यों प्रसिद्ध है?

उ. शबरी ने वनवास के समय राम लक्ष्मण को अपनी कुटिया में बेर खिलाये थे, जिसके कारण इस स्थान का नाम शिवरी नारायण हो गया।

6. गिरौदपुरी क्यों प्रसिद्ध है?

उ. गिरौदपुरी में छत्तीसगढ़ के संत बाबा गुरूघासी दास का जन्म हुआ है, बड़े होकर इनकी कर्मस्थली बन गया।

लघुत्तरीय प्रश्न

7. मैनपाट क्यों प्रसिद्ध है?

   उ. मैनपाट की ऊंचाई तथा कठिन घाट के तथा तिब्बती मकान के कारण पूरे छत्तीसगढ़ में इसकी महानता का बखान किया जाता है।

8. बस्तर क्यों प्रसिद्ध है?

   उ. बस्तर अपने घने घने जंगलों, ऊंचे ऊंचे पेड़ों कई नदी, पहाड़ और आदिवासी संस्कृतियों के कारण यह पूरी एशिया में विख्यात है।

9. डोंगरगढ़ की सुन्दरता का वर्णन कीजिये?

   उ. डोंगरगढ़ माँ बम्बलेश्वरी के कारण अत्यंत प्रसिद्ध है, डोंगरगढ़ पहाड़ी पर स्थित है। मा बम्बलेश्वरी की शक्तियों से छत्तीसगढ़ी हरा भरा और समृद्ध रहता है।

10. कोरबा क्यों प्रसिद्ध हैं?

    उ. कोरबा में राष्ट्रीय स्तर के संयंत्र नेशनल थर्मल पावर कार्पोरेशन (लिमिटेड) जैसे बड़े संयंत्र से हमारे राज्य सहित पूरे भारत के लिए विद्युत् का निर्माण होता है।

11. छत्तीसगढ़ के प्रमुख नदियों के नाम बताइए?

    उ. नर्मदा महानदी, शिवनाथ, अरपा, पैरी, सोंढूर, खारून, इन्द्रावती, जोंक व अन्य कई नदियां प्रवाहित होती है, ये सभी नदियां अपनी पावन जल से छत्तीसगढ़ के माटी को सींच रही हैं।

12. तीरथगढ़ क्यों प्रसिद्ध है?

    उ. तीरथगढ़ इसलिए प्रसिद्ध है, क्योंकि वहां पर कुटुम्बसर गुफा है, जिसके झरने निरंतर झर-झर करके झरते रहते हैं, तीरथगढ़ जल प्रपात के कारण यहाँ, अनेकानेक सैलानियों का आना जाना लगा रहता है। पर्यटन की दृष्टि से यह स्थान काफी प्रसिद्ध है, यहाँ आसानी से सड़क मार्गों से पहुंचा जा सकता है। बारिश के दिनों में यहाँ की रम्य छटाएँ मन को मोह लेती हैं। कुटुम्बसर गुफा के अन्दर जो जल कुण्ड है उसमें कुछ अंधी मछलियाँ भी पाई जाती हैं।

13. छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा क्यों कहा जाता है?

    उ. छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा इसलिए कहा जाता है, क्योंकि यहाँ बड़े पैमाने पर धान का उत्पादन होता है। इसलिए सभी इनकी कृपा दृष्टि चाहते हैं, सभी लोग धान के लिए छत्तीसगढ़ का मुंह ताकते हैं। हमारा छत्तीसगढ़ किसी से कम नहीं है, अर्थात् किसी प्रान्त से पीछे नहीं है, यह अनाज देकर सबकी भलाई करता है। यहाँ की धरती अत्यंत उपजाउ है। इसलिए यहाँ तरह तरह के अन्नों को उपजाती है।

14. छत्तीसगढ़ की समृद्धि का क्या कारण है?

उ. छत्तीसगढ़ की समृद्धि का कारण है यहाँ की प्राकृतिक सम्पदा, यहाँ के साहित्य एवं उपजाऊ धरती। प्रकृति द्वारा प्रदत्त वन सम्पदा का अपार भण्डार भूमि में भरा हुआ है। उसी प्रकार खनिज सम्पदा – कोयला, लोहा आदि का अपार भण्डार होने से राज्य प्रकृति का क्रीड़ास्थल प्रतीत होता है। वन सम्पदा की तुलना सुन्दर स्त्री से की गई है। यहाँ का इतिहास काफी प्राचीन एवं सुन्दर है।

15. भव्य भारत का अनुपम अंश कवि ने किसे कहा है, और क्यों?

उ. भव्य भारत का अनुपम अंश कवि ने छत्तीसगढ़ को कहा है, क्योंकि यहाँ ऊंचे ऊंचे पर्वतों, जंगलों से युक्त, वन सम्पदा से परिपूर्ण हमारा छत्तीसगढ़ विशाल और सुन्दर भारत का एक अनुपम (अनोखा) भाग है। छत्तीसगढ़ में व्याप्त खनिज सम्पदा जिसके अंतर्गत लोहा और कोयला का विपुल अक्षय भण्डार छत्तीसगढ़ के धरती के गर्भ में विराजमान हैं।

हमारे छत्तीसगढ़ का लोहा उत्तम किस्म का है। जिससे रेलों / पटरी तक बनाए जा रहे हैं।

हमारे भिलाई इस्पात संयंत्र में विश्व की सर्वाधिक लम्बी रेल पांतों का निर्माण किया जाने लगा है। जो की हमारे खनिज सम्पदा से ही संभव हो सका है।

16. कवि ने छत्तीसगढ़ के प्रगति के लिए ईश्वर से क्या प्रार्थना की है?

उ. कवि प्रार्थना करते हैं कि हे ईश्वर हमारा छत्तीसगढ़ सुखों का धाम है। यहाँ के निवासियों को कोई कष्ट नहीं है, यहाँ प्राकृतिक रूप से भरा विशाल सम्पदा सदा बना रहे, यहाँ खनिज सम्पदा का लाभ यहाँ के लोगों को मिलता रहे। यहाँ बड़े बड़े साहित्यकार हुए हैं जिसकी साहित्यिक झलक यहाँ की संस्कृति पर स्पष्ट दिखाई पड़ती है। यहाँ के इतिहास काफी गौरवशाली रहा है। जिसके कारण यहाँ की सभ्यता आज भी "वसुधैव कुटुम्बकम" की रही है। तभी तो हमारे यहाँ की बिजली अन्य राज्यों को भी भेजी जाती है। छत्तीसगढ़ियों का सदा कल्याण करना भगवान्, इस तरह की प्रार्थना कवि ने की है।

==========

पाठ – 12

अपन चीज के पीरा

- लेखक मण्डल

- **प्र. 1 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-**
- 1. परसराम के गाय के नाम .....रिही से ।
- उ. गोदावरी ।
- 2. परसराम के बेटा के नाम ..... रिही से ।
- उ. रमेसर ।
- 3 परसराम के गोसईन के नाव ..... रिही से ।
- उ. दसरी ।
- 4. चार झन सुनता होके परसराम ला ..... रुपया डॉड़ीन ।
- उ. दु सौ रुपया ।
- 5. परसराम अऊ दसरी ला..... हा सबक सिखईस ।
- उ रमेसर ।

अति लघुत्तरीय प्रश्न

प्र.1 छत्तीसगढ़ी शब्द 'कोरी' के हिन्दी अर्थ का हो थे?

उ. छत्तीसगढ़ी शब्द 'कोरी' के हिन्दी अर्थ 'बीस' हो थे।

प्र.2 गोदवरी राचर ला कामे उसाले?

उ गोदवरी राचर ला मुड के भार उसाले हे।

प्र.3 गोदवरी काकर बारी मा चरे बर जावय?

उ. गोदवरी रूपऊ के बारी मा चरे बर जावय।

प्र.4 रतिहा दईहान में का होत रिही से ?

उ. रतिहा दईहान में नाचा होवत रिही से।

प्र.5 दसरी हा कोन ला भेज के आघू मा पोता बिछवा दिस?

उ. दसरी हा अपन टुरी ला भेज के आघू मा पोता बिछवा दिस।

"लघुत्तरीय प्रश्न"

प्र.1 गोदवरी के मिजाज कइसने हे?

उ. गोदवरी के अलगे मिजाज हे। ढिल्ला चर – चर के खूब मोटाय हे।लाली रंग, बड़े –बड़े सिग अऊ हुमेले बर आघू। छिल-छिल दिखथे ओखर सरीर।

प्र.2 गोदवरी ला पकड़े खातिर रूपऊ ह का जतन करिस?

उ गोदवरी ला पकड़े खातिर रूपऊ हा अपन बारी के जेन मेर ले गोदवरी बुलके तेन मेर ला गड्ढा खन दिस अऊ डारा पाना ला तोप दिस।

प्र.3 परसराम के सुभाव कइसे रिहिसे ?

उ. परसराम के जइसन नाव रिहिस तइसन ओखर काम रिहिसे।जेन मेर नही तेन मेर लाठी अटीयावय अऊ बात-बात मा अंगरा उगले ।

प्र.4 खाल्हे लिखाय मुहावरा मन के अर्थ लिखव अब वाक्य में प्रयोग करव

1 "लाठी अंटियाना" = लाठी दिखाना :- परसराम हा बात बात में लाठी अंटियाथे।

2 लाहो लेना = अति करना :- आमा फरये तहान बेंदरा मन रोजे लाहो लेथे ।

3 मुह मा पेरा गोंजना = हक मारना :- बरदि हा हा गाय के जम्मो दुध ल दुह के बछुरु के मुंह पैरा गोंजथे ।

प्र.5 ये पाठके संदेश ला अपन भावा मा लिखव ।

उ. जेकर नुकसान होथे उही एकर दुख – पीरा ला समझथे। तेकर सेती कोनो ला परसराम कस नई बनना चाही। ये कहानी मा इही संदेश दे गे हे।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र.1 रमेसर हा तुहर नजर म बने करिस कि गिनहा, कारण भी लिखव ।

उ. रमेसर हा हमर नजर म बने करिस काबर कि ओखर दाइ – ददा ला दुसर के चीज का एको कन पीरा नई रहिस। ओमन अतेक लचार होगे रहीन के काकरो नुकसान करे तभो ओमनला एको कन दरद नई होवय। ओखर बदला बारी वाला मन आके ओकर परवार ला बन्द्दी देवय, जे हा रमेसर ला नई सुहइस ता ओ हा अपन दाइ – ददा ला सबक सिखाय खातिर ये उदिम ला करिस ।

प्र.2 तुमर घर या आस पड़ोस में कोन – कोन बात मा झगरा होथे अऊ ओखर निपटारा कईसे होथे

उ.हमर घर अऊ आस पड़ोस मा पैसा–कउड़ी के लेन देन बंटवारा अऊ भुइया खातिर झगरा होथे। तब झगरा ला निपटारा बर गांव के सियान मन ला बुलाथे। ओमन दुनो कोती के बात ला सुनथे – समझथे अऊ निपटारा करथे। जेन गलत होथे तेन ला समझाथे अऊ डांटथे घलो। अब दूनो झन सियान के बात ला मान के सुनता सलाह से रहिथे।

प्र.3 तुंहर घर के बड़े सियान परसराम सही रही ता ओला सुधारे बर तुमन का जतन करहू?

उ. कोनो हमर घर के बड़े सियान परसराम सही रही ता ओला सुधारे बर हमनला परसराम के बेटा रमेसर बनके जतन करेल लगही। रमेसर हा जैसे अपन दाई-दादा ला सिखाय बर उदिम करीस, वईसने हमनला भी करे ला परही, ओमनला बताये ला परही के अपन चीज के पीरा का होथे। जेन मन कमाये रथे ओकर दरद ला उही मन समझ सकथे।

==========

पाठ – 13

विजयबेला

- श्री जगदीश चन्द्र माथुर

सही विकल्प चुनकर लिखिए-

1. जातिवाचक संज्ञा का उदहारण है-

   अ) सरदारी ब) सरदार

   स) जासूसी द) शतरंजी

   उ. ब) सरदार

2. भाववाचक संज्ञा का उदहारण है-

   अ) जहर ब) दिलेर

   स) हाहाकार द) बेताबी

   उ. द) बेताबी

3. भीमा कौन था-

   अ) कुंवरसिंह का साथी ब) मल्लाहों का साथी

   स) मल्लाह द) पुरोहित

   उ. स) मल्लाह

4. प्रस्तुत एकांकी किस राजा के संबंध में है-

   अ) कुंवर सिंह ब) अमर सिंह

   स) हरकिसुन सिंह द) अमनसिंह

   उ. अ) कुंवर सिंह

5. राजा ने अपना हाथ किस नदी को अर्पित किया-

   अ) महानदी ब) यमुना

   स) गंगा द) सरस्वती

   उ. स) गंगा

अति लघुत्तरीय प्रश्न

1. इस एकांकी की घटना किस समय की है?

   उ. इस एकांकी की घटना प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 के समय की है।

2. किसकी बदौलत कुंवर सिंह किनारे पर आ सके?

   उ. भीमा मल्लाह की बदौलत कुंवरसिंह किनारे पर आ सके।

3. कौन कहता है कि दादा, काल और उम्र के बन्धनों से परे हैं?

   उ. कुंवर सिंह के छोटे भाई अमरसिंह कहते हैं कि दादा, काल और उम्र के बन्धनों से परे हैं।

4. एकांकी क्या है?

   उ. एकांकी साहित्य की ऐसी विधा है जिसमें जीवन के किसी एक अंक/घटना का चित्रण होता है।

5. कुंवर सिंह की भुजा कैसे घायल हुई?

   उ. कुंवर सिंह की भुजा फिरंगी गोली से घायल हुई।

लघुत्तरीय प्रश्न

1. कुंवर सिंह विश्वनाथ पर क्यों नाराज हुए?

   उ. विश्वनाथ सिंह ने कुंवर सिंह के घायल होने के कारण अमरसिंह की चिट्ठी के बारे में नहीं बताया जिसके कारण कुंवर सिंह नाराज हुए।

2. कुंवर सिंह ने अपनी बांह काटकर गंगाजी को क्यों अर्पित कर दिया?

   उ. गंगा किनारे फिरंगियों की गोली लगने से कुंवर सिंह की भुजा घायल थी, जिसकी घाव गहरी और पीड़ादायक थी तो कुंवर सिंह ने अपनी भुजा काटकर गंगा जी को अर्पित कर दिया।

3. कुंवर सिंह के अनुसार युद्ध की क्या हुनर है?

   उ. कुंवर सिंह के अनुसार यद्ध में शतरंजी चालों में मात पर मात देना ही युद्ध का हुनर (कला) है।

4. महाराज नावों को गंगाजी में डुबो देने का आदेश क्यों देते हैं?

   उ. फिरंगी जनरल यदि नावों को देख लेता तो गोलियां चलवाकर उनमें छेद करवा देता जिससे नाव बेकार हो जाती, इसलिए महाराज ने नावों को गंगाजी में डुबो देने का आदेश दिया।

5. कुंवर सिंह को कौन-सा नशा था?

   उ. कुंवर सिंह को फिरंगियों से कुशलतापूर्वक युद्ध करने और उनके अधिकारियों को मात पर मात देकर उनके छक्के छुड़ाने का नशा था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. आप यह कैसे सिद्ध करेंगे कि 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में सभी वर्ग के लोगों ने भाग लिया था?

   उ. 1857 की क्रांति को भारत की स्वतंत्रता के शुरुआत मानी जाती है। इस संग्राम में रानी लक्ष्मीबाई, बहादुरशाह जफर, तात्या टोपे, पेशवा, भोसले आदि वीर अपने-अपने क्षेत्रों से शामिल रहे। इस युद्ध में हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई सभी जाति-धर्मों के लोग शामिल रहे और अपने-अपने क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व किया। प्रस्तुत एकांकी में भी हमने देखा कि किसान, मल्लाह, रैयत, ग्वाले आदि सभी ने अपने राजा का साथ दिया। इससे स्पष्ट है कि इस युद्ध में देश के सभी वर्ग के लोगों ने भाग लिया।

2. राजा कुंवर सिंह की विशेषताओं का वर्णन कीजिये।

   उ. प्रस्तुत एकांकी में राजा कुंवरसिंह के शौर्य और बुद्धिमत्ता का वर्णन किया गया है। जिस प्रकार वे चौकन्ना होकर फिरंगियों से बचते और अचानक वीरता पूर्वक हमला करते थे, ये उनके गुणों के कारण ही संभव था। अपने घायल भुजा को स्वयं की तलवार से काटकर गंगाजी को अर्पित करना उनकी सहनशीलता और मातृप्रेम को दर्शाता है। अपनी विवेकशीलता और पराक्रम के कारण ही उन्होंने फिरंगियों पर विजय पाई थी। इस प्रकार राजा कुंवर सिंह का सम्पूर्ण जीवन उनकी वीरता और विवेकशीलता का उदहारण है।

3. छत्तीसगढ़ से 1857 की क्रांति में शामिल नायक वीर नारायण सिंह के बारे में आप क्या-क्या जानते हैं?

   उ. छत्तीसगढ़ राज्य के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी एक सच्चे देशभक्त व गरीबों के मसीहा शहीद वीर नारायण सिंह सोनाखान के जमींदार थे। सन् 1857 में उनके क्षेत्र में अकाल पड़ी थी। जिसके कारण प्रजा भूख से मर रही थी। उन्हें सूचना मिली कि कुछ व्यापारी और जमाखोर अनाज को जमा करके रखे हैं, उन्होंने तत्काल उन व्यापारियों के गोदाम को लूट लिया और अनाज जनता को बांट दिया। जिसकी शिकायत अंग्रेजों से की गयी, जिसकी सजास्वरुप उन्हें 10 दिसम्बर 1857 को रायपुर के जयस्तम्भ चौक में सरेआम फांसी दे दी गयी। और यह वीर सदैव के लिए अमर हो गया।

==========

पाठ – 14

आतिथ्य

- श्री भदंत आनंद कौशल्यायन

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-

1. आतिथ्य पाठ के लेखक का नाम ..... है। (श्री भदंत आनंद कौशल्यायन)
2. आतिथ्य साहित्य की ..... विधा है। (यात्रा वृत्तांत)
3. लेखक ..... के घर ठहरने की सोचकर निकला था। (हेडमास्टर साहब)
4. हेडमास्टर ने लेखक को ..... में रुकने की सलाह दी। (धर्मशाला)
5. जब आदमी का कोई सहारा नहीं रहता तब ..... ही उसके काम आती है। (बुद्धि)
6. आतिथ्य का अर्थ ..... है। (आवभगत / खातिरदारी)

अति लघुत्तरीय प्रश्न

1. अनाधिकार शब्द से उपसर्ग अलग कीजिये।

   उ. 'अन' उपसर्ग
2. 'राम कहानी सुनाना' मुहावरे का अर्थ क्या है?

   उ. "आप बीती बताना"
3. आतिथ्य का क्या अर्थ है?

   उ. आतिथ्य का अर्थ किसी अतिथि के आगमन पर उसके आवभगत / खातिरदारी से है।
4. लेखक किसके साथ सोया?

   उ. लेखक अंधे भिखारी के साथ सोया।
5. विषम परिस्थिति में क्या हमारे काम आती है?

   उ. विषम परिस्थिति में हमारी बुद्धि हमारे काम आती है।
6. लेखक जब शाम को कसबे में पहुंचा तो उसकी हालत कैसी थी?

   उ. लेखक जब शाम को कस्बे में पहुंचा तो वह थककर चकनाचूर हो चुका था।

लघुत्तरीय प्रश्न

1. लेखक के पदयात्रा का क्या कारण था?

   उ. लेखक एक भ्रमणशील व्यक्ति था, वह ऐतिहासिक महत्त्व के स्थानों को देखने के विचार से पदयात्रा कर रहे थे।

2. थके हुए लेखक के मन में हेडमास्टर जी के घर ठहरने को लेकर कौन-कौन सी भावनाएं उठ रही थीं?

   उ. थके हुए लेखक सोच रहे थे कि हेडमास्टर साहब के घर पैर धोने को गरम पानी वा मालिश करने हेतु गरम तेल व सोते वक्त दूध मिल सकता है।

3. लेखक चोर नहीं था, इसके लिए उन्होंने क्या प्रमाण दिए?

   लेखक चोर नहीं था, इसका प्रमाण देने के लिए उन्होंने अपने थैले से दो चिट्ठियां निकाली, दोनों परिचय पत्र थे, एक था ग्वालियर पुरातत्व विभाग के निदेशक के नाम व दूसरा निजाम हैदराबाद के प्रधानमंत्री के नाम। दोनों में लेखक का साधारण परिचय था।

4. लेखक ने महाअँधेरा किसे कहा है?

   उ. लेखक धर्मशाला की खोज में भटक गया। लोग लेखक को चोर समझने लगे। लोग कहते थे देखिये ना अँधेर है, अभी-अभी निकला था, फिर इतनी जल्दी हिम्मत की है, उन्हें मालूम नहीं है कि जो उनके लिए अंधेर है, वो लेखक के लिए महाअंधेर है। विपत्ति आने पर कहते हैं कि मति मारी जाती है। महाअंधेर का अर्थ है कि लोग लेखक को चोर समझकर पुलिस को बुलाना चाहते थे।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

निम्न गद्यांशों की व्याख्या कीजिये-

1. जैसे जीवन-पथ पर, वैसे ही साधारण सड़क पर आदमी के लिए अकेले चलना कठिन है। कोई ठहरकर किसी पीछे अपने वाले का साथी हो लेता है, कोई चार कदम तेज चलकर आगे जाने वाले का।

सन्दर्भ- प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक 'छत्तीसगढ़ भारती' के पाठ आतिथ्य से लिया गया है। इसके लेखक श्री भदंत आनंद कौशल्यायन जी हैं।

प्रसंग- प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने बताया है कि अकेले रास्ता चलना बेहद कठिन है।

व्याख्या- जिस प्रकार जीवन के मार्ग पर अकेले चलना कठिन है, उसी प्रकार सामान्य सड़क पर भी अकेले यात्रा करना कठिन कार्य है। अर्थात् मनुष्य एक सामाजिक प्राणी होने के नाते अकेले जीवन व्यतीत नहीं कर सकता। उसे पग-पग पर किसी साथी के जरूरत पड़ती है, उसी प्रकार सड़क पर चलते हुए मनुष्य को साथी की जरूरत पड़ती। इसलिए

अकेला चलने वाला मनुष्य पीछे आने वाले राहगीर का साथ पाने के लिए रास्ते में थोड़ा ठहर जाता है, अथवा तेजी से चलकर आगे जाने वाले के साथ हो लेता है।

2. उन्हें क्या मालूम था जो उनके लिए अँधेर है वाही मेरे लिए महाअँधेर है। विपरीत परिस्थिति पड़ने पर कहते हैं, अक्ल मारी जाती है। लेकिन जब आदमी को और कोई सहारा नहीं रहता, तब बुद्धि ही उसके काम आती है।

सन्दर्भ- प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक 'छत्तीसगढ़ भारती' के पाठ आतिथ्य से लिया गया है। इसके लेखक श्री भदंत आनंद कौशल्यायन जी हैं।

प्रसंग- प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने बताया है कि संकट के समय बुद्धि ही काम आती है।

व्याख्या- लेखक कहते हैं कि उनके हेडमास्टर साहब के बंगले पर फिर लौट आने पर उन पर गाँव वालों का संदेह बढ़ गया। उन्होंने कहा कि यह तो अंधेर है, अर्थात् इस व्यक्ति ने तो हद ही कर दी, जो यहाँ फिर लौट आया, लेकिन उन्हें क्या पता था कि जिस बात को वे अंधेर समझ रहे हैं वह मेरे लिए कष्ट की पराकाष्ठा है। कहा जाता है कि संकट आने पर मति मारी जाती है अर्थात् बुद्धि काम नहीं आती। लेकिन आदमी जब हर तरफ से बेसहारा हो जाता है, तब बुद्धि ही उसके काम आती है।

3. "आतिथ्य को भारतीय संस्कृति में महान दर्जा प्राप्त है" उक्त वाक्य पर अपने विचार दीजिये।

उ. प्राचीनकाल से ही भारत में "अतिथि देवो भवः" की परंपरा रही है। अर्थात् यहाँ पर अतिथि को देवता के तुल्य माना गया है। भारत में शत्रु राजा के दूत का भी एक अतिथि के रूप में सत्कार किया जाता था। हमारे घरों में आज भी अतिथियों का सम्मान किया जाता है, उनके मनपसंद व्यंजन बनाये जाते हैं, सभी लोग प्रेम पूर्वक उनसे बातें करते हैं। द्वापर युग की प्रचलित सुदामा कथा के अनुसार जब सुदामा जी श्री कृष्ण से मिलने गए तो श्री कृष्ण स्वयं द्वार पर उन्हें लेने पहुंचे एवं स्वयं उनके चरण धोए और दूध हल्दी से स्नान करवाया, विभिन्न प्रकार के पकवान बनवाये। ऊंचा आसन प्रदान कर स्वयं जमीन पर बैठे। इस प्रकार उन्होंने अतिथि धर्म का पालन किया।

यही कारण है कि आतिथ्य को भारत में महान दर्जा प्राप्त है।

==========

पाठ – 15

मनुज को खोज निकालो

- श्री सुमित्रानंदन पंत

सही विकल्प चुनकर लिखिए-

1. आज ..... को खोज निकालो-

   अ) मनुज ब) अनुज

   स) प्रजा द) समाज

   उ. अ) मनुज

2. ..... यवनिका आज उठा लो-

   अ) वर्ण ब) अंध

   स) धर्म द) संस्कृति

   उ. ब) अंध

3. अखिल ..... में रिक्त मनुज को-

   अ) राजा ब) प्रजा

   स) अवनि द) धनी

   उ. स) अवनि

4. श्री सुमित्रानंदन पंत हिंदी काव्य जगत में ..... के सुकुमार कवि के नाम से प्रसिद्ध हैं-

   अ) प्रकृति ब) देश

   स) राष्ट्र द) पर्यावरण

   उ. अ) प्रकृति

5. पृथ्वी का अर्थ है-

   अ) आसमान ब) नभ

   स) अवनि द) अम्बर

   उ. स) अवनि

अति लघुतरीय प्रश्न

1. अवनि का पर्यायवाची शब्द लिखिए।

   उ. अवनि का पर्यायवाची शब्द हे – पृथ्वी, जमीन।

2. रूढ़ी रीति का क्या अर्थ है?

   उ. रूढ़ी रीति का अर्थ पुरानी बुरी परम्पराओं से है।

3. श्री सुमित्रानंदन पंत जी की अन्य दो रचनाओं के नाम लिखिए।

   उ. श्री सुमित्रानंदन पंत जी की रचनाएं हैं – 1. लोकायतन, 2. वीणा

4. खण्ड मनुज का क्या अर्थ है?

   उ. धर्म, जाति, क्षेत्र में बंटे हुए लोगों को खण्ड मनुज कहा गया है।

5. मनुज शब्द का क्या अर्थ है?

   उ. मनुज का अर्थ मनु से जन्मा है।

6. विश्वास और भीतर शब्द के विलोम शब्द लिखिए।

   उ. विश्वास – अविश्वास, भीतर – बाहर

7. भव शब्द का क्या अर्थ है?

   उ. भव शब्द का अर्थ संसार है।

लघुत्तरीय प्रश्न

1. कवि ने मूल व्यक्ति किसे कहा है?

   उ. कवि के अनुसार ऐसा व्यक्ति जो धर्म, जाति, वर्ग और क्षेत्र से ऊपर उठकर सम्पूर्ण मानव जाति का सोचे, वही मूल व्यक्ति है।

2. कवि के अनुसार हमारे समाज में कौन-कौन से विविधता फैली हुई है?

   उ. कवि के अनुसार हमारे समाज में जाति, वर्ण, संस्कृति, धर्म, रीति, रिवाज, भाषा, वेशभूषा, सम्पन्नता-विपन्नता की विविधता फ़ैली हुई है।

3. कविता में अंध-यवनिका का क्या अर्थ है?

   उ. कविता में प्राचीन रीति-रिवाजों एवं अंधविश्वासों को अंध यवनिका कहा गया है।

4. आप कौन-कौन से रूढ़ी रीतियों के बारे में जानते हैं?

   उ. हम बाल-विवाह, सती प्रथा, कन्या वध एवं दहेज़ प्रथा जैसी रूढ़ी रीतियों के बारे में जानते हैं।

5. समानार्थी शब्द लिखिए-

   राजा, धनी, मानव, अखिल

   उ. राजा – नरेश धनी – धनवान

   मानव – मनुष्य अखिल – सम्पूर्ण

6. ऐसे तीन शब्द लिखिए जिसमें 'ज' प्रत्यय लगा हुआ हो?

उ. अनुज, अचरज, नीरज, पंकज आदि

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र.1 प्रस्तुत पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिये-

"भाषा भूषा के जो भीतर, श्रेणी वर्ग से मानव ऊपर,

अखिल अवनि में रिक्त मनुज को, केवल मनुज जान अपना लो।"

सन्दर्भ- प्रस्तुत पद्यांश श्री सुमित्रानंदन पंत जी द्वारा रचित 'मनुज को खोज निकालो' नामक कविता से लिया गया है।

प्रसंग- प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने मानवता को सर्वश्रेष्ठ बताने का प्रयास किया है।

व्याख्या- कवि कहते हैं कि हे मानव! दुनिया में अलग-अलग भाषाएँ बोली जाती हैं। लोगों के पहनावे अलग-अलग हैं। समाज अनेक जाति वर्गों में बंटा हुआ है। किन्तु मनुष्य इन सबसे ऊपर है। इन सभी से ऊपर उठकर किसी मनुष्य को केवल मनुष्य जानकर अपनाना चाहिए। उससे नफरत न करें। अब समय आ गया है कि मनुष्यों के बीच से सच्चे मनुष्य को ढूंढ निकालो।

2. आपके अनुसार एक सच्चे मनुष्य की क्या-क्या विशेषताएँ होनी चाहिए?

उ. एक सच्चे मनुष्य में निम्नलिखित विशेषताएं होनी चाहिए:–

1) सच्चा मनुष्य एक दुसरे में भेदभाव नहीं करता।
2) सच्चा मनुष्य जाति-वर्ण और संस्कृति से जकड़ा नहीं होता।
3) वह प्रत्येक श्रेणी-वर्ण को ऊपर उठाने का प्रयास करता है।
4) वह अमीर गरीब में भेदभाव नहीं करता।
5) नर-नारी को समान दर्जा देता है।
6) मानवता की रक्षा करता है।
7) समाज को एक करने का प्रयास करता है।

==========

पाठ – 16

बरसात के पानी ले भू-जल संरक्षण

- लेखक मंडल

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-

1. जमीन के खाल्हे जमा होने वाला पानी हा ..... आय।

   उ. भू-जल

2. भू-जल के सतह हा दिनों-दिन ..... होत जात हे।

   उ. कम / खाल्हे

3. जेन नदी मा बारो महिना पानी रइथे ओला ..... नदी कइथे।

   उ. बारामासी

4. छत अऊ छानी-छप्पर के पानी ला..... बना के जमीन के भीतर पहुंचाए जा सकथे।

   उ. सोख्ता गड्ढा

5. शब्द पेड़-पौधा में ..... समास हे।

   उ. द्वंद्व समास

6. 'सकेलना' शब्द ला हिंदी मा..... कईथे।

   उ. संग्रहण

अति लघुत्तरीय प्रश्न

1. भू-जल काला कथें?

   उ. जमीन के खाल्हे जमा होने वाला पानी ला भू-जल कईथे।

2. 'भू-जल शब्द' के समास विग्रह कर के समास के नाव लिखव।

   उ. भू-जल – भू का जल – तत्पुरुष समास

3. "ओखर खाल्हे ठोस चट्टान होथे" वाक्य में विशेषण शब्द छांट के लिखव।

   उ. ठोस

4. बारामासी नदिया कोन ला कईथें?

   उ. जेन म साल भर पानी रइथे तेन नदिया ला बारामासी नदिया कइथें।

5. झिरिया काला कईथे?

   उ. सुक्खा नदिया-नरवा में गड्ढा खोद के पानी निकालथे ओला झिरिया कईथे।

6. 'पाबोन' अऊ 'चिखला' के हिंदी अर्थ लिखव।

   उ. पाबोन = पाएंगे, चिखला = कीचड़

लघुत्तरीय प्रश्न

1. भू-जल के भण्डार काबर कम होवत जात हे?

   उ. भू-जल सकलावत कम हे अऊ ओला निकाल के ओखर उपयोग जादा करथन तेकर सेती भू-जल के भण्डार लगातार कम होवत जात हे।

2. बारामासी नदिया-नरवा के कम होए के का कारण हावे?

   उ. जंगल के भारी कटाव अऊ गहन खेती के कारण बारामासी नदिया अऊ नरवा कम होवत जात हे।

3. भू-जल के संग्रहण काबर जरूरी हे?

   उ. भू-जल के भण्डार सतह हा दिनों-दिन खाल्हे जावत जात हे, एखर सेती कुंआ अऊ नलकूप सुखावत जात हे। पानी ह खारा होवत हे अऊ कई जगह हमर उपयोग के लायक नई बाचे हे। ओखरे सेती भू-जल के संग्रहण जरुरी हे।

4. बरसात के पूरा पानी जमीन के भीतर काबर नई जावत हे?

   उ. गाँव-शहर में सड़क अऊ नाली पक्की होवत जात हे, घर-आँगन पक्की होत जात हे, खेती भूमि म कारखाना लगत हे, जंगल के कटाव होवत हे ओखर कारण बरसात के पूरा पानी जमीन के भीतर नई जावत हे।

5. गाँव के नदिया-तरिया अऊ बोरिंग के पानी कैसे प्रदूषित होवथे?

   उ. गाँव के नदिया-तरिया अऊ बोरिंग के पानी में नाली के गन्दा पानी, कारखाना के गन्दा पानी अऊ मानव समाज के कई प्रकार के कचरा आके मिलत जात हे जेखर सेती ए मन प्रदूषण होवथे।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. भू-जल के भण्डार ला बढ़ाये के उपाय लिखव।

   उ. भू-जल भण्डार ला बढाए के निम्न उपाय करे जा सकथे-

   a. छत अऊ छानी छप्पर के पानी ला सोख्ता गड्ढा बना के ओमा पानी ला अंदर भेजके।
   b. शहर के पानी ला शहर के बाहर चारों तरफ तरिया बना के अंदर भेज सकथन।
   c. नदिया-नरवा माँ छोटे-छोटे बाँध बना के भू-जल ला बढ़ा सकथन।
   d. हर गाँव शहर में तरिया बनाके भू-जल ला बढ़ा सकथन।
   e. पेड़-पौधा लगा के भू-जल स्तर ला बढ़ाए जा सकथे।

2. खाल्हे लिखाय शब्द मन के वाक्य में प्रयोग करव।
    a. आबादी- रायपुर के आबादी दू करोड़ ले जादा हे।
    b. बारामासी- बारामासी नदिया-नरवा कम होवत जात हे।
    c. संगे-संग- राम के संगे-संग सीता घलो वनवास चल दिस।
    d. तीर-तखार- हमर गाँव के तीर-ताखार माँ एको दवाखाना नई हे।
    e. निस्तार- गाँव वाले मन के निस्तार नरवा ले हो जाथे।

==========

पाठ – 17

तृतीय लिंग का बोध

- लेखक मंडल

सही विकल्प चुनकर लिखिए-

1. तृतीय लिंग किसे कहते हैं-

   अ) महिला ब) पुरुष

   स) अन्य द) अ और ख दोनों

   उ. स) अन्य

2. शिखंडी के पिता का नाम था-

   अ) दुर्योधन ब) द्रोणाचार्य

   स) धृतराष्ट्र द) द्रुपद

   उ. द) द्रुपद

3. श्री राम कितने वर्षों के लिए वनवास गए-

   अ) 7 ब) 10

   स) 12 द) 14

   उ. द) 14

4. किन्नर मध्यकाल में ..... कला के विशारद थे-

   अ) नृत्य ब) युद्ध

   स) मूर्ति द) भवन निर्माण

   उ. अ) नृत्य

5. राम की कथा किस काल की घटना मणि जाती है-

   अ) सतयुग ब) त्रेतायुग

   स) द्वापरयुग द) कलयुग

   उ. ब) त्रेतायुग

6. भारतीय संविधान के किस धारा के तहत (संशोधन से) थर्ड जेंडर को पहचान मिली-

   अ) धारा 370 ब) धारा 372

   स) धारा 377 द) धारा 380

   उ. धारा 377

अति लघुत्तरीय प्रश्न

1. अयोध्या किस नदी के तट पर स्थित है?

   उ. अयोध्या सरयू नदी के तट पर स्थित।

2. शिखंडी के बहन का क्या नाम था?

   उ. शिखंडी के बहन का नाम द्रौपदी था।

3. दैहार क्या है?

   किन्नरों के आश्रम को दैहार कहते हैं।

4. "गरु-शिष्य" शब्दों के मध्य लगे चिन्ह का क्या नाम है?

   उ. योजक चिन्ह (-)

5. उर्स का क्या अर्थ है?

   उ. मुस्लिम त्यौहार को उर्स कहते हैं।

6. 'रामचरितमानस' में किस पात्र की चर्चा हुई है?

   उ. 'रामचरितमानस' में राम नामक पात्र की चर्चा हुई है।

7. 'आजीविका' के लिए प्रचलित छत्तीसगढ़ी शब्द बताइए।

   उ. 'रोजी-रोटी'

लघुत्तरीय प्रश्न

1. तृतीय लिंग समुदाय में कौन आते हैं?

   उ. ऐसे लोग जो न तो पुरुष हैं और न ही स्त्री हैं, उन्हें तृतीय लिंग समुदाय में माना जाता है।

2. विकासक्रम में कौन सा वर्ग पीछे है और क्यों?

   उ. विकासक्रम में तृतीय लिंग समुदाय के लोग पीछे हैं, जिसका कारण लोगों की संकुचित सोच है तथा प्रारम्भ में उन्हें संविधान में स्थान न प्रदान करना भी उनके पिछड़ेपन का कारण है।

3. मध्यकाल में तृतीय लिंग समुदाय को क्या स्थान प्राप्त था?

   उ. मध्यकाल में तृतीय लिंग समुदाय को मुसलमान शासकों ने रानियों के अंगरक्षक का कार्य सौंपा था कुछ राजाओं ने उन्हें सेना व गुप्तचर विभाग में स्थान प्रदान किया।

4. त्रेतायुग में किन्नरों के लिए कौन सी कथा प्रचलित है?

   उ. ऐसा कहा जाता है कि त्रेता युग में श्री राम वनवास जा रहे थे तो प्रजागण उनके साथ सरयू नदी के तट तक आये। अब राम ने सभी नर-नारियों को वापिस लौटने की

आज्ञा दी किन्तु जब 14 पश्चात् वापस लौटे तो तृतीय लिंग समुदाय के लोग वहीँ खड़े मिले जिसे देखकर श्री राम प्रसन्न हुए और उन्हें आशीर्वाद दिया।

5. कोई मनुष्य तृतीय लिंग का है तो इसमें उसका क्या दोष है?

उ. कोई मनुष्य तृतीय लिंग का है तो इसमें उसका कोई दोष नहीं है। यह तो ईश्वर की देन है। लोगों की निम्न मानसिकता, अज्ञानता के कारण किन्नरों को सम्मान नहीं मिल पता, जिसके वे भी हकदार हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. किन्नरों की समस्याएँ बताइए तथा उनके साथ हमारा व्यवहार कैसा हो?

उ. **किन्नरों की समस्याएँ-** इस सुमदाय के लोगों को समाज सामान्य लोगों की तरह नहीं देखता। ज्यादातर किन्नर अपनी अस्मिता की रक्षा करने के लिए घर से बाहर नहीं निकलते। आजीविका चलाने के लिए समूह में बधाई मांगने निकलते हैं अर्थात् आजीविका कमाने के लिए उन्हें संघर्ष करना पड़ता है।

किन्नरों के साथ हमारा व्यवहार- किन्नरों के साथ हमारा व्यवहार बिलकुल अन्य सामान्य लोगों के साथ होने वाले व्यवहार के समान हो। समाज उन्हें अपने अभिन्न हिस्सा स्वीकर कर सम्मान दें। हमें उनके साथ वैसा ही व्यवहार करना चाहिए जैसा हम स्वयं के लिए चाहते हैं।

2. तृतीय लिंग समुदाय के पांच प्रसिद्ध लोगों एवं उनके कार्यों का उल्लेख कीजिये-

उ.

ख्याति प्राप्त लोगों के नाम	उनके कार्य / क्षेत्र
1. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी	किन्नरों के हक के लिए संघर्ष
2. पद्मिनी प्रकाश	पहली किन्नर न्यूज एंकर
3. मधुबाई (छत्तीसगढ़)	पहली किन्नर जो मेयर बनी
4. रुद्राणी क्षेत्री (दिल्ली)	मॉडल
5. मानवी बंदोपाध्याय	पहली किन्नर कालेज प्रिंसिपल

==========

पाठ – 18

ब्रज माधुरी

- कविवर पद्माकर /हरिश्चन्द्र / बेनी

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-

1. प्रस्तुत पाठ हिंदी साहित्य के ..... भाषा में लिखा गया है।
   उ. ब्रज
2. पाठ में कृष्ण के बाल-लीला का वर्णन ..... कवि ने किया है।
   उ. पद्माकर
3. पाठ में गोपियों की विरह वेदना का वर्णन ..... कवि ने किया है।
   उ. भारतेंदु
4. गयंद का अर्थ ..... है।
   उ. बड़ा हाथी
5. अनुप्रास अलंकार में ..... की आवृत्ति होती है।
   उ. वर्णों
6. पंकज का अर्थ ..... है।
   उ. कमल

अति लघुत्तरीय प्रश्न

1. श्रृंगार रस की परिभाषा लिखिए।
   उ. काव्य में जहाँ नायक-नायिका के प्रेम का वर्णन होता है वहां पर श्रृंगार रस होता है।
2. अनुप्रास अलंकार के परिभाषा लिखिए।
   उ. काव्य में जहाँ पर किसी वर्ण की आवृत्ति के कारण अलंकार उत्पन्न होता है वहां पर अनुप्रास अलंकार होता है।
3. पद्माकर की रचना में कृष्ण क्या कर रहे हैं?
   उ. पद्माकर की रचना में कृष्ण ग्वालों के साथ दही चुराने गए हैं।
4. पाठ में किस कवि ने काल का वर्णन किया है?
   उ. पाठ में कवि बेनी जी ने काल का वर्णन किया है।
5. नैन अघाने का क्या अर्थ है?
   उ. नैन अघाने का अर्थ आँखों का तृप्त होना है।

6. पाँव व मीत शब्द के छत्तीसगढ़ी शब्द क्या हैं?

उ. पाँव = गोड़, मीत = मितान

लघुत्तरीय प्रश्न

1. कमल में भौंरा कैसे बंद हो गया?

उ. भौंरा कमलकोष में बैठकर पराग को खा रहा था तभी सूर्यास्त हो गया और कमल के दल सिमट गए। इस प्रकार भौंरा कमल में बंद हो गया।

2. भौंरा क्या सोच रहा था?

उ. भौंरा सोच रहा था कि जैसे ही सुबह होगी सूर्य निकलेगा और यह कमल का दल खुल जायेगा और मैं बहुत सारा पराग लेकर अपने घर चला जाऊंगा।

3. भौंरे की इच्छाओं का अंत कैसे हो गया?

उ. कमल में बंद भौंरा सूर्योदय होने का इंतज़ार कर रहा था तभी एक बड़ा हाथी आया और कमल को चबा गया जिसमें भौंरा बंद था। इस प्रकार भौंरे की इच्छाओं का अंत हो गया।

4. गोपियां एक दूसरे से क्या बात कर रही है?

उ. गोपियां अपनी सखी से कहती है कि हे सखी मैं कहाँ जाऊं, क्या करू? कृष्ण की मूरत देखे बिना मुझे चैन नहीं आता। उठते-बैठते, चलते-फिरते सब जगह कृष्ण का रूप देखने को ही तरसती रहती हूँ।

5. श्री कृष्ण ने दही कैसे चुराई?

उ. श्री कृष्ण के मित्र दरवाजे पर रखवाली कर रहे थे। एक मित्र साथ था, जिसके कंधे पर चढ़कर दीवार में पैर रखकर छिका में रखे दही को निकालकर खा रहे थे।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. प्रस्तुत पद्यांश का सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए।

   पंकज कोस में भृंग फस्यौ,..... रहिगो मन-ही-मन यों मनसूबा।

   सन्दर्भ- प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य-पुस्तक 'छत्तीसगढ़ भारती' के ब्रज-माधुरी नमक पाठ से लिया गया है। इसके कवि बेनी जी हैं।

प्रसंग- इस पद्यांश में कवि ने कमल कोष में फंसे भौंरे के माध्यम से जीवन की नश्वरता को बताया है।

व्याख्या- सूर्यास्त होने पर, कमल-दल के संकुचित हो जाने पर एक भौंरा उसके कोष में फंस गया। वह मन-ही-मन इस प्रकार सोचने लगा कि कल प्रातः जब सूर्योदय होगा और कमल पुनः विकसित हो जायेगा, मैं बहुत सा पराग लेकर अपने घर चला जाऊँगा, अर्थात् उड़ जाऊँगा। बेनी कवि कहते हैं कि इसी बीच एक और ही घटना घट गई। इसमें कोई अचरज नहीं कि उस भौंरे को काल अर्थात् अपनी मृत्यु का ध्यान ही नहीं रहा। वहां एक हाथी आया और उसने उस कमल को चबा डाला, जिसमें वह भौंरा बंद था। इस प्रकार उस भौंरे की इच्छा उसके मन में ही धरी रह गयी और वह काल के गाल में समा गया।

2. रस की परिभाषा लिखिए। उसके प्रकारों के नाम लिखिए उनके स्थायी भावों के नाम लिखिए।

उ. रस- रस का अर्थ होता है आनंद। काव्य को पढ़ने, सुनने, देखने आदि से जो आनंद की प्राप्ति होती है, उसे ही रस कहते हैं।

रस के प्रकार –

रस 10 प्रकार के होते हैं-

रस के प्रकार	-	स्थायी भाव
1. श्रृंगार रस	-	रति, प्रेम
2. शांत रस	-	निर्वेद, ग्लानी
3. वीर रस	-	उत्साह
4. रौद्र रस	-	क्रोध
5. भयानक रस	-	भय
6. वीभत्स रस	-	घृणा
7. करुण रस	-	करुणा, दया, शोक
8. हास्य रस	-	हंसी
9. अद्भुत रस	-	आश्चर्य
10. वात्सल्य रस	-	वात्सल्य

==========

पाठ – 19

कटुक वचन मत बोल

- **श्री रामेश्वर दयाल दुबे**

उचित संबंध जोड़िये-

अ	ब	उत्तर
1. बुद्धिमान गुलाम	जाने की इच्छा रखने वाला	लुकमान
2. महान दार्शनिक	भविष्य बताने वाला	कन्फ्यूशियस
3. वाणी	इलाहाबाद	मधुरता
4. ज्योतिष	लुकमान	भविष्य बताने वाला
5. जिज्ञासु	कन्फ्यूशियस	जाने की इच्छा रखने वाला
6. प्रयाग	मधुरता	इलाहाबाद

अति लघुत्तरीय प्रश्न

1. पाठ में किस बुद्धिमान गुलाम की चर्चा की गई है?
   उ. पाठ में लुकमान नामक बुद्धिमान गुलाम के चर्चा की गई है।
2. बकरे का सबसे नरम और कठोर अंग में लुकमान क्या लाया?
   उ. बकरे का सबसे नरम और सबसे कठोर अंग में लुकमान जीभ लाया।
3. पाठ में महाभारत के युद्ध के क्या कारण बताये गए हैं?
   उ. पाठ में महाभारत के युद्ध का कारण वाणी की कठोरता को बताया गया है।
4. दीर्घ जीवी किसे कहते हैं?
   उ. अधिक उम्र तक जीने वाले को दीर्घजीवी कहते हैं।
5. कनफ्यूसियस ने जीभ और दांत की क्या विशेषता बताई है?
   उ. कनफ्यूसियस ने जीभ को नरम और दांत को कठोर बताया है।
6. कटु सत्य को प्रिय और मधुर कैसे बनाया जा सकता है?
   उ. 'वाक्चातुर्य' से कटु सत्य को प्रिय और मधुर बनाया जा सकता है।

लघुत्तरीय प्रश्न

1. लुकमान ने बकरे के शरीर का सबसे अच्छे और सबसे बुरे अंग में जीभ को ही क्यों चुना?

   उ. लुकमान ने बकरे के शरीर का सबसे अच्छा और सबसे बुरा अंग जीभ को ही चुना क्योंकि उसका कहना था कि यदि जीभ अच्छी है तो सब अच्छी है और जीभ बुरी है तो सब बुरी है।

2. कनफ्यूसियस के कथन के जरिये लेखक क्या बताना चाहते हैं?

   उ. कनफ्यूसियस के कथन के जरिये लेखक बताना चाहते हैं कि जो नम्र स्वभाव का होता है, वह अधिक समय तक जीवित रहता है तथा जो कठोर स्वभाव वाला व्यक्ति होता है वो अधिक समय तक जीवित नहीं रहता है।

3. श्री लालबहादुर शास्त्री ने शेर के माध्यम से अपनी पत्नी को क्या समझाने का प्रयास किया?

   उ. श्री लालबहादुर शास्त्री ने शेर के मध्यम से अपनी पत्नी तो यह समझाने का प्रयास किया कि कड़वी बातें किसी को भी अच्छी नहीं लगाती हैं, यदि किसी से गलती हो भी जाती है, तो उसे मधुरता के साथ समझाया जा सकता है।

4. कठोर वचन हृदय को क्यों चुभते हैं?

   उ. किसी के द्वारा प्रयोग किये गए कठोर वचन शरीर में चुभते हैं क्योंकि कोई भी इंसान कठोर वचन सुनना पसंद नहीं करता। सभी इंसान प्रेम के भूखे हैं। सभी मधुर वाणी सुनना पसंद करते हैं। महाभारत की घटना जिसमें द्रौपदी ने दुर्योधन से कहा कि "अंधे के अंधे ही होते हैं"। यह बात दुर्योधन को हृदय में चुभी जिसका परिणाम महाभारत का युद्ध था।

5. एक ज्योतिष को दण्ड मिला जबकि दूसरे को पुरष्कार ऐसा क्यों?

   उ. पहले ज्योतिष ने राजा से कहा कि उनके परिवार के सभी लोग उनसे पहले मृत्यु को प्राप्त करेंगे; जिससे राजा दुखी हुए और उन्होंने उन्हें दण्डित किया। दुसरे ज्योतिष ने राजा से कहा कि महाराज आप पूरे परिवार में सबसे दीर्घायु होंगे, तो उनको पुरस्कृत किया गया। जबकि वास्तव में दोनों ज्योतिषों ने एक ही बात कही, सिर्फ उनका तरिका अलग-अलग था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. प्रस्तुत गद्यांश के सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए-

   "जीभ कोमल..... जीवन में जीतता है"।

   सन्दर्भ- प्रस्तुत गद्यांश हमारे पाठ्यपुस्तक छत्तीसगढ़ भारती के कटुक वचन मत बोल पाठ से लिया गया है। इसके लेखक श्री रामेश्वर दयाल दुबे जी हैं।

   व्याख्या- चीनी दार्शनिक कनफ्यूसियस ने कहा है कि जीभ और दांत दोनों हमारे मुंह में होते हैं, जिसमें जीभ जन्म से मृत्यु तक रहता है जबकि दांत बाद में आता है, और जल्दी चला जाता है। आर्थात् जो कठोर होता है वह जल्दी समाप्त होता है और जो नरम रहता है वो दीर्घजीवी होता है।

   तात्पर्य यह है कि जिस व्यक्ति में विनम्रता है, शालीनता है, जिसकी वाणी मधुर है वह दीर्घजीवी होता है।

2. आपके विचार में वाणी की मधुरता कैसी है?

   उ. हमारे विचार में किसी व्यक्ति की वाणी ही उसके व्यवहार की पहचान है। जो व्यक्ति जितना विनम्र होगा जिसमें शालीनता होगी वह व्यक्ति आदरणीय होगा, सभी स्वमेव उसके सम्मान करेंगे।

   किन्तु जो व्यक्ति कठोर वाणी का उपयोग करेंगे लोगों के हृदय को चोट मारेगा उसे कोई सम्मान नहीं देगा, वह जल्दी मृत्यु को प्राप्त करेगा।

==========

पाठ – 20

मिनी महात्मा

- श्री आलम शाह खान

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-

1. "अत्याचार को सहना अत्याचार को बढ़ावा देना है".....ने कहा है।

   उ. महात्मा गाँधी

2. मोहन को ..... ने एक चपत लगा दी।

   उ. पुलिस अंकल शेरसिंह

3. पुलिस अंकल (शेरसिंह) का ..... पद में तरक्की हुआ था।

   उ. असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर

4. शेरसिंह के बेटे का नाम ..... था।

   उ. अमरित

5. शेरसिंह को ..... समझाया।

   उ. बाबा फरीद

6. 'हेठी' शब्द का ..... अर्थ है।

   उ. अपमान

अति लघुत्तरीय प्रश्न

1. पुलिस अंकल ने मोहन के साथ क्या किया था?

   उ. पुलिस अंकल ने मोहन को एक चपत लगा दिया था।

2. मोहन सुबह क्या लेने गया था?

   उ. मोहन सुबह दूध लेने गया था।

3. मोहन क्या जानना चाहता था?

   उ. मोहन जानना चाहता था कि उसे किस गलती के कारण मार पड़ी है।

4. मिनी महात्मा के लेखक का क्या नाम है?

   उ. मिनी महात्मा के लेखक का नाम आलम शाह खान है।

5. घटना के दिन किसकी जयंती थी?

   उ. घटना के दिन गाँधी जयंती थी।

6. मोहन गाँधी जी के किस विचार का पालन कर रहा था?

उ. मोहन गांधीजी के "अत्याचार को सहना अत्याचार को बढ़ावा देना है" का पालन कर रहा था।

लघुत्तरीय प्रश्न

1. वह जरा सी बात क्या थी, जिसकी वजह से मोहन लगातार रोए जा रहा था?

   उ. वह जरा सी बात यह थी कि पुलिस अंकल ने सुबह दुध लेने पंक्ति में खड़े लोगों से पहले जाकर दुध लिया जिसे मोहन ने रोक दिया तो पुलिस अंकल ने उसे एक चपत लगा दी।
2. मोहन आखिर सब के समझाने पर भी चुप क्यों नहीं हो रहा था?

   उ. मोहन के मन में आखिर एक ही बात चल रही थी कि पुलिस अंकल ने उन्हें मारा क्यों? अपना कसूर जानना चाहता था।
3. आपके विचार से शेरसिंह की पत्नी का व्यवहार कैसा है?

   उ. शेरसिंह की पत्नी दयालू स्वभाव की समझदार महिला है। वह मोहन को अपने पुत्र के समान समझती है। उसकी दृष्टि में मोहन ने कोई गलत काम नहीं किया। इसलिए वह मोहन और अपने पति दोनों को समझाती हैं।
4. फरीद बाबा ने शेरसिंह को क्या समझाया?

   उ. फरीद बाबा ने विनम्रता पूर्वक समझाया कि माफ़ी मांगने से कोई छोटा नहीं हो जाता, गलती तो आपने ही की है। यदि आप झुकेंगे तो आपका ही सम्मान और बढ़ेगा।
5. इस कहानी को पढ़ने से आपकी क्या राय बनती है?

   उ. इस कहानी में "अत्याचार को सहना अत्याचार को बढ़ावा देना है" यह वाक्य से प्रेरित है, और यह लोगों के लिए एक बड़ी सीख है। यह मोहन की दृढ़ता और प्रतिकार की शक्ति को व्यक्त करती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिख कर वाक्य में प्रयोग कीजिये-
   a. टस से मस ना होना- अपनी जगह से न हिलना

      वाक्य- सभी के समझाने पर भी मोहन शेरसिंह के घर से टस से मस नहीं हुआ।
   b. पहाड़ टूट पड़ना- भारी विपत्ति आना।

वाक्य- राम के वन जाते ही दशरथ पर पहाड़ टूट गया।

c. दिन-रात एक करना – कठिन परिश्रम करना

   वाक्य – प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने के लिए दिन-रात एक करना पड़ता है।

d. अंधों में काना राजा – मूर्खों के बीच थोड़ा पढ़ा लिखा बुद्धिमान

   वाक्य – गाँव में रामू ही थोड़ा पढ़ा-लिखा था, तो वह वहां अंधों में काना राजा था।

2. पाठ में आये निम्न शब्दों के भाववाचक संज्ञा बनाइये –

   a. ईमानदारी – ईमानदारी
   b. बेईमान – बेईमानी
   c. खराब – खराबी
   d. सफ़ेद - सफेदी
   e. कमजोर – कमजोरी

==========

पाठ – 21

सीखावन

- संकलित

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-

1. ..... हा सौ गुण के नाश कर देथे। (एक अवगुण)
2. सुवा हा ..... गुण वाला होथे। (गुरतुर)
3. पेड़ के ..... गुण के वर्णन होहे। (परोपकार)
4. नंदिया ..... कोती चल के जाथे। (समुद्र)
5. कवि हा..... फूल ला अबिरथा केहे हे। (बिना सुगंध वाला)
6. लबरा हा..... बोल के मान पाथे। (मीठ-लबरी)

अति लघुत्तरीय प्रश्न

1. सुवा काबर फंद जाथे?

   उ. सुवा लोभ करथे ता फंद जाथे।
2. कवि काके दिया बारे बर बोले हे?

   उ. कवि आशा अऊ विश्वास के दिया बारे बर बोले हे।
3. किताब के संग हमनला का करना चाही?

   उ. किताब के संग हमनला गंगाबारू अऊ मितान बदना चाही।
4. पेड़ सबला का-का देथे?

   उ. पेड़ सबला फूल फल देथे।
5. गुरु के मान कब मिलथे?

   उ. जब ज्ञान पाए के उछाह मन में रथे तब गुरु के मान मिलथे।
6. 'मिल्खी मारना" के वाक्य में प्रयोग करव?

   उ. टूटत तारा हा मिल्खी मारते गायब हो जाथे।

लघुत्तरीय प्रश्न

1. हमनला चांटी ले का-का सीखे बर मिलथे?

   उ. हमनला चांटी ले कतार में चले के अऊ एकता के सीख मिलथे। साथे में दिन-भर मेहनत करे के अऊ एक दूसरा के सहयोग के शिक्षा मिलथे।
2. पेड़ ला दानी काबर केहे गे हवय?

उ. पेड़ हा अपन बर कुछु नई रखे, वो अपन फल-फूल, पत्ती, लकड़ी सब ला दूसर ला देथे ओखरे सेती पेड़ ला दानी केहे गे हवय।

3. कवि नवा रद्दा खोजे बर काबर केहे हे?

   उ. कवि हां जब जीवन में समस्या आथे अऊ एक रद्दा बंद हो जाथे तब दूसर रद्दा खोजे बर केहे हे। अऊ दूसर रद्दा में आगे बढे बर बोले हे, काबर समस्या आये से जीवन रुके नहीं।

4. कवि हा "ठाढ़े-ठाढ़े ठीहा-ठिकाना नई मिलय" करके काबर केहे हे?

   उ. "ठाढ़े-ठाढ़े ठीहा-ठिकाना नई मिलय" में कवि के भाव हे कि एक जगह खड़े रहे में मनखे अपन ठिकाना म नई पहुँच सकय। अपन मंजिल ला नई पाए सकय। अपन मंजिल ला पाए खातिर मनखे ल चले बर परही।

5. "घाम-छांव के खेल" ले कवि के का आशय हे?

   उ. "घाम-छांव के खेल" लें कवि के आशय सुख अऊ दुःख से हे। जैसे घाम अऊ छाँव आवत जावत रहिथे वैसने जीवन में सुख अऊ दुःख हा आवत जावत रहिथे।

6. वाक्य में परयोग करव-

   a. नजर आना- दिखाई पड़ना

      वाक्य – श्यामू हा अब्बड़ दिन बाद नजर आईस।

   b. दिन दूनी रात चौगुनी – तेजी से बढ़ना

      वाक्य – कोरोना महामारी दिन दूनी रात चौगुनी बढ़त जात हे।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. प्रस्तुत गद्यांश की सन्दर्भ प्रसंग सहित व्याख्या कीजिये-

   "एके अवगुण ..... फंड जाय"

सन्दर्भ- प्रस्तुत दोहा, हमारे पाठ्यक्रम छत्तीसगढ़ भारती के सीखावन नामक पाठ से लिया गया है।

प्रसंग- इस दोहे में कवि ने सौ गुणों को एक अवगुण के द्वारा नष्ट होने की बात कही है।

व्याख्या- कवि कहते हैं कि एक अवगुण सौ गुणों को पलक झपकते ही नष्ट कर देती है। जैसे मोठी बोलने वाली सुवा लालच में आकर शिकारी के फंदे में फंस जाती है। अतः हमें अवगुणों से दूर रहना चाहिए।

2. दोहा किसे कहते हैं? उदाहरण सहित समझाइए।

   उ. दोहा एक मात्रिक छंद है जिसमें चार चरण होते हैं। पहले और तीसरे चरण में 13-13 मात्राएँ होती हैं और दूसरे और चौथे चरण में 11-11 मात्राएँ होती हैं।

उदा. – घाम-छाँव के खेल तो, होवत रहिथे रोज। (13 + 11 = 24)

एकर सांसो छोड़ के, रद्दा नवां तै खोज।। (13 + 11 = 24)

==========

पाठ – 22

हिरोशीमा की पीड़ा

- श्री अटल बिहारी बाजपेयी

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-

1. भीषण नरसंहार ..... नामक स्थान में हुआ था।

   उ. हिरोशिमा – नागासाकी

2. यह अणुबम सन् ..... को गिराया गया था।

   उ. 1945

3. इस कविता के लेखक ..... हैं।

   उ. श्री अटल बिहारी बाजपेयी

4. हिरोशिमा और नागासाकी शहर ..... देश में है।

   उ. जापान

5. नरसंहार का अर्थ ..... है।

   उ. लोगों का सामूहिक विनाश

अति लघुत्तरीय प्रश्न

1. विश्वयुद्ध के दौरान परमाणु बम कहाँ गिराया गया था?

   उ. विश्वयुद्ध के दौरान परमाणु बम जापान के शहर हीरोशिमा और नागासाकी में गिराया गया था।

2. यह घटना कब की है?

   उ. यह घटना 6 अगस्त और 09 अगस्त 1945 की है।

3. आविष्कार किसे कहते हैं?

   उ. किसी नवनिर्माण या नई खोज को आविष्कार कहते हैं।

4. कवि का हृदय क्यों दुखी है?

   उ. भारी नरसंहार के कारण कवि का हृदय दुखी है।

5. इस नरसंहार में कितने लोगों की बलि चढ़ी?

   उ. इस नरसंहार में करीब 2 लाख लोगों की बलि चढ़ी।

लघुत्तरीय प्रश्न

1. कवि ने किस तिथि को कालरात्रि कहा है और क्यों?

   उ. कवि ने छः अगस्त 1945 की रात को कालरात्रि कहा है क्योंकि इस रात को लगभग दो लाख लोग मौत के मुंह में समा गए हजारों बेघर हुए और कई लोग अपाहिज हो गए।

2. कवि का हृदय विषाद से क्यों भर जाता है?

   उ. कवि जब कल्पना करता है कि उसके किसी सगे-संबंधी, प्रिय या परिचित की मृत्यु हो जाये अथवा कोई पालतू पशु भी बिछड़ जाये तो उसके हृदय विषाद से भर जाता है।

3. पर्यायवाची शब्द लिखिए – आँख, रात, हाथ

   उ. आँख – नयन, चक्षु

   रात – रात्रि, निशा

   हाथ – हस्त, कर

4. कवि वैज्ञानिकों से क्या अपेक्षा करते हैं?

   उ. कवि वैज्ञानिकों से अपेक्षा करते हैं कि वे अपने बुद्धि का प्रयोग परमाणु बम जैसे विनाशकारी शास्त्रों के निर्माण में न करें, बल्कि वे ऐसी खोज करे जो मानवजाति के कल्याण के लिए हों।

5. "इतिहास उन्हें कही माफ़ नहीं करेगा" इस पंक्ति से कवि का क्या आशय है?

   उ. "इतिहास उन्हें कही माफ़ नहीं करेगा" इस पंक्ति से कवि का आशय है कि जिन्होंने परमाणु बमों का आविष्कार किया है और जिस देश ने इसका प्रयोग किया है, उन्हें इतिहास जब भी याद करेगा तो उनको बुरा ही कहेगा।

दीर्घ उत्तरीय

1. कविता का उद्देश्य बताइये।

   उ. कविता के माध्यम से कवि श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी ने उस कालरात्रि का वर्णन किये हैं जब अमेरिका ने जापान के दो शहरों हीरोशिमा और नागासाकी में परमाणु बम गिराए थे, जिसके पश्चात् जो महाविनाश हुआ वह असहनीय था। कवि चाहते हैं फिर कही भी ऐसे शस्त्रं का प्रयोग न किया जाये और वैज्ञानिकों से भी निवेदन करते हैं कि ऐसे विनाशकारी आविष्कार के बजाय मानव कल्याणकारी नई खोजें करें। यही इस कविता का मूल उद्देश्य है।

2. श्री अटल बिहारी बाजपेयी (कवि) के बारे में विस्तारपूर्वक लिखिए।

   उ. श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी का जन्म 25 दिसम्बर 1924 को हुआ था। वे भारत के दसवें प्रधानमन्त्री थे। श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी हिंदी कवि, पत्रकार, राजनीतिज्ञ, और प्रखर वक्ता थे। आपने लगातार कई वर्षों तक विभिन्न समाचार पत्रों का सम्पादन किया। अटल जी लगभग 40 वर्षों तक भारतीय संसद में रहे। आप आजीवन अविवाहित रहे जिसके कारण आपको भीष्म पितामह के नाम से भी जाना जाता है। "मेरी इक्यावन कविताएँ" आपकी प्रसिद्ध काव्य संग्रह है। 16 अगस्त सन् 2018 को आपका देहावसान हो गया। आपको सन् 2015 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

==========

निबंध

1. पर्यावरण प्रदूषण पर निबंध

रूपरेखा-

- प्रस्तावना
- पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार
- पर्यावरण प्रदूषण के कारण
- पर्यावरण प्रदूषण रोकने के उपाय
- पर्यावरण प्रदूषण का मानव जीवन पर प्रभाव

प्रस्तावना-

पर्यावरण दो शब्दों से मिलकर बना है, परि+अवरण। परि का अर्थ "चारों ओर" है, जबकि आवरण का अर्थ "ढका हुआ" है। इसका शाब्दिक अर्थ हुआ कि वह वातावरण जिससे जीव जंतु चारों ओर से ढके हुए हैं, पर्यावरण कहलाता है। इस दुनिया में सभी जैविक और अजैविक तत्व पर्यावरण का अभिन्न अंग हैं। पेड़-पौधे भी इसी पर्यावरण के अंतर्गत आते हैं।

पर्यावरण प्रदूषण प्रकृति का अभिशाप है, जो मानव के कारण होता है, इंसान ने प्रकृति में असंतुलन पैदा कर दिया है, जिससे प्रदूषण के रूप में प्रकृति का प्रकोप दिखाई दे रहा है। आज के समय में मनुष्य को न शुद्ध खाना मिल रहा है और ना ही शुद्ध पानी और हवा मिल रही है। यहाँ तक कि रहने के लिए शांत वातावरण भी नहीं मिल रहा है, पानी, हवा में प्रदूषण के मिलने से प्रकृति के यह तत्व प्रदूषित होते जा रहे हैं।

पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार-

1. **वायू प्रदूषण-** हवा में प्रदूषकों के मिलने से हवा प्रदूषित हो जाती है। यह मानव के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालती है। कारखानों से निकला जहरीला धुआं वायु में मिल जाता है। यह वायु प्रदूषण का मुख्य कारण है। वाहनों से निकला धुआं भी वायु प्रदूषण के लिए जिम्मेदार है।

2. **जल प्रदूषण-** कारखानों से निकलने वाला अशुद्ध जल और रासायनिक पदार्थ नदियों और समुद्र के जल में मिलकर उसे प्रदूषित कर देता है। इस प्रदूषित जल को पीने से कई प्रकार की गंभीर बीमारियाँ हो जाती हैं।
3. **ध्वनि प्रदूषण-** फैक्ट्रियों की मशीनरी से निकलने वाली आवाज ध्वनि प्रदूषण की जिम्मेदार है। वाहनों का अत्यधिक शोर भी ध्वनि प्रदूषण पैदा करता है। इससे इंसानों में बहरापन और तनाव पैदा होता है।
4. **मृदा प्रदूषण-** मिट्टी में प्रदूषण के मिलने से मृदा प्रदूषण होता है। आजकल खेती में फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए कीटनाशक का छिड़काव किया जाता है। इससे कीटनाशक मृदा की उर्वरकता ख़त्म कर देते हैं।

पर्यावरण प्रदूषण के कारण-

प्रदूषण के व्यापक और सर्वाधिक कारण मानव निर्मित है। इंसान आधुनिकता की दौड़ में प्रकृति का अत्यधिक दोहन कर रहा है। इससे प्राकृतिक संसाधनों में कमी हो जाती है। जो संसाधन बचे हुए हैं, वो भी प्रदूषण के मारे प्रदूषित हो रहे हैं।

प्रदूषण का मुख्य कारण कल कारखानों से निकलने वाला जहरीला धुआं और रासायनिक प्रदार्थ है। यह धुआं वायु और रासायनिक पदार्थ पानी में मिलने से दोनों प्रदूषित हो जाते हैं।

शहरों में बढ़ाते वाहन भी प्रदूषण का एक कारण है। अत्यधिक वाहनों से ट्रैफिक बढ़ता है, और जिनसे निकलने वाले जहरीले धुंए में बढ़ोतरी होती है, जिससे वायु प्रदूषण होता है। वाहनों के अत्यधिक शोर से ध्वनि प्रदूषण भी होता है। लाउडस्पीकर और कारखानों के सायरन से भी ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है।

वृक्षों की अंधाधुंध कटाई से भी प्रदूषण में बढ़ोत्तरी हो रही है। घटते जंगलों से प्राकृतिक संतुलन बिगड़ा है। ध्वनि प्रदूषण और वायु प्रदूषण में अत्यधिक वृद्धि का एक कारण वृक्षों की कटाई भी है। ज्वालामुखी, बाढ़, भूकंप से भी वायु और जल प्रदूषण होता है। परमाणु विष्फोट परिक्षण से भी वायु प्रदूषण में बढ़ोत्तरी होती है। परमाणु परिक्षण से भी रेडियोएक्टिव पदार्थ हवा में मिल जाते हैं। बढ़ती आबादी भी बढ़ते प्रदूषण का एक कारण है। ध्वनि प्रदूषण, जल प्रदूषण, याहू प्रदूषण के कारण बढ़ती आबादी है।

पर्यावरण प्रदूषण रोकने के उपाय-

पर्यावरण प्रदूषण रोकने के उपाय से प्रदूषण को काफी हद तक कम किया जा सकता है। प्रदूषण को रोकने के लिए सभी देशों को एक साथ आना होगा। प्रदूषण रोकने के लिए कड़े नियम बनाने होंगे।

ग्लोबल वार्मिंग भी एक समस्या है जो बढ़ते प्रदूषण से और भी गंभीर हो रही है। इससे निपटने के लिए वायु प्रदूषण रोकना जरूरी है।

सामाजिक जागरूकता भी एक अच्छा उपाय हो सकता है। पर्यावरण के गंभीर खतरों से लोगों को अवगत कराना चाहिए। यह हमारी जिम्मेदारी और फर्ज है, कि हम पर्यावरण की सुरक्षा करें। शिक्षा से भी प्रदूषण की समस्याओं से निजात पाया जा सकता है। बच्चों को स्कूली सिलेबस में पर्यावरण के प्रति जागरूक करना चाहिए।

प्रकृति का महत्त्व बच्चों की शिक्षा में अनिवार्य होना चाहिए।

फैक्ट्रियों से निकालने वाले धुंए और रासायनिक पदार्थ को वायु और जल में मिलने से रोकने के उपाय होने चाहिए। प्रदूषण का मानक तय होना चाहिए।

ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण करना चाहिए, जिससे प्रदूषण की समस्या से निजात मिल सकती है। पेड़ लगाना पूण्य कमाने के समान है। हम स्वयं पर्यावरण को गन्दा करते हैं और अस्वच्छता फैलाते हैं। यह हमारा दायित्व है, कि हम स्वच्छता रखें। स्वच्छता बेहतर जीवन देती है। हर जगह कूड़ा कचरा डाल दिया जाता है। यह कूड़ा पानी में मिलकर उसे प्रदूषित करता है। कचरे के प्रदूषक हवा में मिलकर इसे प्रदूषित करते हैं।

प्रैत्वी की सुन्दरता को बनाए रखने की जिम्मेदारी हमारी है। धरती को प्रदूषण मुक्त करना हमारा कर्तव्य है। प्रकृति का संतुलन बनाए रखने का दायित्व हमारा है। प्रदूषण फ़ैलाने के जिम्मेदार हम खुद हैं और इसको कम करना भी हमारे ऊपर ही है।

पर्यावरण प्रदूषण का मानव जीवन पर प्रभाव-

पर्यावरण के संसाधन या घटक जितने स्वच्छ व निर्मल होंगे, उतना शरीर तथा मन स्वच्छ तथा स्वस्थ होगा। इसलिए हमारे ऋषि-मुनियों ने हजारों वर्ष पूर्व कहा था कि "प्रकृति हमारी माँ है, जो सभी कुछ अपने बच्चों को अर्पण कर देती है।"

चाणक्य ने कहा था कि "राज्य की स्थिरता की पर्यावरण की स्वछता पर निर्भर करती है।"

महाकवि कालिदास ने अभिज्ञान शाकुंतलम तथा मेघदूत जैसे अमर काव्यों में भी मन पर पर्यावरण के प्रभाव को दर्शाया है।

अतः पर्यावरण यदि प्रदूषित होता है, तो उसका प्रतिकूल प्रभाव जीव जगत पर निश्चित ही पड़ेगा। आज के भौतिक विचारधारा के कारण अपनी सुख-सुविधाओं के साधनों में अधिकाधिक वृद्धि की लालसा में मनुष्य पर्यावरण या प्राकृतिक संपदाओं की लूट पर उतर आया है। इसी बेदर्द और अविवेकपूर्ण दोहन का परिणाम है "पर्यावरण प्रदूषण"। पर्यावरण-प्रदूषण विज्ञान और प्रौद्योगिकी की देन है, महानगरीय जीवन की सौगात है, विशाल उद्योगों की समृद्धि का बोनस है, मनाव को मृत्यु के मुंह में धकेलने की अनचाही चेष्ठा है। रोगों के शरीर में प्रवेश करने का मौन निमंत्रण है और प्राणिमात्र के अमंगल की प्रत्यक्ष कामना है।

2. दीपावली

प्रस्तावना- प्रत्येक त्यौहार जीवन में खुशियाँ लाती हैं। समाज त्यौहारों के माध्यम से अपनी खुशियाँ प्रकट करते हैं। हिन्दुओं के प्रमुख त्यौहार दीपावली, होली, रक्षाबंधन, दशहरा आदि हैं। इसमें से मुख्य त्यौहार दीपावली है। दीपावली त्यौहार का नाम सुनते ही हमारा मन हर्षित हो उठता है।

दीपावली कब और क्यों मनाई जाती है-

यह त्यौहार कार्तिक माह की अमावस्या के दिन मनाया जाता है। अमावस्या की अंधेरी रात असंख्य दीपों से जगमग जगमगाता है। कहते हैं कि भगवान राम 14 वर्ष के वनवास के पश्चात् अयोध्या लौटे थे। इस ख़ुशी में अयोध्या वासियों ने दिये जलाकर उनका स्वागत किया था। तब से इस दिन को भारतवर्ष में दीपावली के रूप में मानते हैं।

दीपावली की तैयारियां-

यह त्यौहार लगभग सभी धर्मों के लोग मानते हैं। इस त्यौहार के आने के कई दिन पहले से ही घरों की लिपाई-पुताई, सजावट प्रारंभ होती है, नए कपड़े बनवाये जाते हैं। मिठाइयां बनाई जाती हैं। घरों में अच्छी तरह साफ़ सफाई की जाती हैं।

उत्सव-

यह त्यौहार पांच दिनों तक मनाया जाता है। धनतेरस से भाई दूज तक यह त्यौहार चलता है। धनतेरस के दिन सोने एवं चांदी के आभूषण खरीदे जाते हैं। अगले दिन नरक चौदस के दिन सूर्योदय से पूर्व स्नान करना अच्छा माना जाता है। इस दिन रात्रि के समय चौदह दिये जलाए जाते हैं एवं अमावस्या के दिन लक्ष्मीजी की पूजा की जाती है। फूलझड़ी, पटाखे जलाये जाते हैं। असंख्य दीपों की रंग-बिरंगी रोशनियाँ मन को मोह लेती हैं। गोवर्धन पूजा के दिन गायों की पूजा की जाती है एवं विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाए जाते हैं एवं गायों को खिचड़ी खिलाया जाता है, इसके अगले दिन भाई दूज का पर्व मनाया जाता है।

उपसंहार- दीपावली का त्यौहार सभी के जीवन को ख़ुशी प्रदान करता है। नया जीवन जीना का उत्साह प्रदान करता है। कुछ लोग इस दिन जुआ खेलते हैं, जो घर व समाज के लिए बुरी बात है।

हमें इस बुराई से बचना चाहिए। पटाखे सावधानीपूर्वक फोड़ने चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि हमारे किसी भी कार्य एवं व्यवहार से किसी को भी दुःख न पहुंचे तभी दीपावली का त्यौहार मानना सार्थक होगा।

3. स्वच्छता

कहा जाता है कि "स्वच्छता में ही ईश्वर का वास होता है" इसलिए अपने आसपास हमेशा स्वच्छता रखनी चाहिए एवं प्रत्येक व्यक्ति को निःस्वार्थ भाव से स्वच्छता के लिए कार्यरत होना चाहिए।

स्वच्छता का अर्थ सिर्फ यह नहीं है कि हम सिर्फ अपने आपको, अपने घर की सफाई रखें। स्वच्छता का अर्थ यह है कि हम अपने मन, शरीर, अपना घर और आसपास के जगहों की भी साफ़-सफाई करें। स्वच्छता ही सेवा है"।हमारे देश और हमारे जीवन में स्वच्छता बहुत ही आवश्यक है, क्योकि आज के समय में बहुत तरह जी बीमारियाँ गन्दगी की वजह से फ़ैल रही हैं। जिन्हें हम स्वच्छता पर ध्यान देकर दूर कर सकते हैं।

किन्तु आज की भाग-दौड़ और तनाव भरे जीवन में ना तो हम खुद स्वच्छता पर ध्यान देते हैं और ना ही हम इसके महत्त्व को समझते हैं। हमारे प्रधानमन्त्री 'नरेन्द्र मोदी जी' ने 2 अक्टूबर 2014 को 'स्वच्छ भारत अभियान' की शुरुआत की, जो हमारे राष्ट्रपिता 'महात्मा गाँधी जी' का सपना था। 'स्वच्छ भारत अभियान' केवल एक इंसान के जरिया सफल नहीं होगा। इसके लिए हम सभी भारतीयों को अपने-अपने स्तर पर प्रयास करना होगा। स्वच्छता ना किसी एक की जिम्मेदारी है वरन् यह हम सभी की जिम्मेदारी है। स्वच्छता को हमें अपने और अपने आसपास बनाए रखने की आवश्यकता है, जिससे हमारे जीवन में खुशहाली आ सके। हमारे जीवन में स्वच्छता सिर्फ एक शब्द मात्र ना होकर आदत होनी चाहिए, क्योंकि जीवन में स्वच्छता की एक अच्छी आदत अपने ह्रदय के साथ-साथ समाज को भी स्वच्छ रखने में मदद करती है। हमें स्वच्छता के मूल्यों को समझकर इस अच्छी आदत को अपने जीवन में उतरना चाहिए। अवच्छाता सभी प्रकार से हमारे जीवन में अपना प्रभाव डालती है, स्वच्छता हमारे शारीरिक और मानसिक सेहत पर भी असर डालता है। स्वच्छता भक्ति के समान होती है। स्वच्छता हमे शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ हमें डाक्टरों से भी दूर रखता है।

विडम्बना यह है कि हमारे देश में लगभग सभी लोगों को अस्वच्छता के परिणामों के बारे में पता है। स्वच्छता के महत्व के बारे में पता है, परन्तु कोई भी इसे लेकर ज्यादा सजग नहीं है। अस्वच्छता के विकराल परिणाम हमें आज देखने को नहीं मिलेंगे परन्तु इनके गंभीर परिणाम भविष्य में हमें जरूर देखने को मिलेंगे। हम सभी जानते हैं कि स्वास्थ ही धन है और स्वास्थ है, तो सब कुछ है। इसलिए हमें अपने आप को स्वस्थ रखने और स्वस्थ जीवन के महत्त्व को ध्यान में रखते हुए स्वच्छता से कभी भी समजौता नहीं करना चाहिए। हमें भविष्य में आने वाली युवा पीढ़ी को स्वच्छता के लिए जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि "स्वच्छता एक स्वस्थ जीवन की कुंजी है"।

4. मेरा विद्यालय

विद्यालय अर्थात् विद्या+आलय यानि विद्या का घर, मतलब हव स्थान जहां विद्या उपार्जन होता है। हमारे संस्कारों से विद्या को देवी का स्थान दिया गया है और विद्यालय को विद्या प्राप्ति की 'मंदिर' की उपमा दी गयी है। सही मायनों में विद्याल ही जीवन को सार्थक बनाती है, इसके फलस्वरूप हममें भिन्न प्रकार के गुणों का विकास होता है, जिससे हम देश एवं समाज में एक विशेष स्थान प्राप्त करते हैं।

मेरे विद्यालय का नाम 'पूर्व माध्यमिक शाला अमदी' है, जो बेहद ही शांत माहौल में विद्यमान है, उः गाँव से बहार स्थित है। मेरे विद्यालय में सभी प्रकार की सुविधाएं हैं। यहाँ कक्षा छठवीं से लेकर कक्षा आठवीं तक की पढ़ाई होती है। विद्यालय में एक बड़ा सा मैदान है, जिसमें प्रार्थना, व्यायाम एवं अन्य खेल इत्यादि संपन्न होते हैं। मेरे विद्यालय में पीने के पानी कि समुचित व्यवस्था है।

हमारा विद्यालय परिवार बहुत बड़ा है, जिसमें लगभग 150 विद्यार्थी अध्ययन के लिए आते हैं। 4 अध्यापक / अध्यापिकाएं एवं एक प्रधानाध्यापक हैं। प्रधानाध्यापक शाला कार्य का सञ्चालन करते हैं। सभी अध्यापक एवं अध्यापिकाएं छात्रों को अध्ययन करवाने के साथ-साथ उनका मार्गदर्शन भी करते हैं।

मेरे विद्यालय में प्रत्येक वर्ष एक सांस्कृतिक कार्यक्रम होता है, जिसमें इच्छुक विद्यार्थी अपने कक्षा का प्रदर्शन करते हैं। इसमें नृत्य, गायन, भाषण एवं नाटक आदि कार्यक्रम शामिल होते हैं। इसके आलावा विद्यालय में क्रीड़ा का आयोजन भी होता है, जिसमें खो-खो, कबड्डी, दौड़ आदि क्रीडाएं प्रमुख हैं। हमारे विद्यालय में मध्यान्ह भोजन की भी व्यवस्था है।

हमारे जीवन में विद्यालय की परंपरा नयी नहीं है। सदियों से हमारा देश ज्ञान का स्त्रोत रहा है। सदियों से हमारा देश ज्ञान का स्त्रोत रहा है। हमारे यहाँ आदिकाल से ही गुरुकुल परंपरा रही है। बड़े-बड़े राजा महाराजा भी अपना राजसी वैभव छोड़कर ज्ञान-प्राप्ति के लिए गुरुकुल जाते थे। यहाँ तक की ईश्वर के अवतार श्रीकृष्ण और श्रीराम भी अध्ययन हेतु गुरुकुल आश्रम गए थे। उन्होंने गुरु का स्थान ईश्वर से भी ऊपर होता है संसार को ऐसी सीख दी।

5. स्वतंत्रता दिवस

प्रस्तावना – सदियों की गुलामी के पश्चात् सदियों की गुलामी के पश्चात् 15 अगस्त 1947 केक दिन आजाद हुआ। 15 अगस्त का दिन भारतीय लोकतंत्र और हर भारतीय के लिए काफी ख़ास दिन है। यही वह दिन है, जब भारत को ब्रिटिश शासन से आजादी मिली थी। इसी वजह से प्रति वर्ष 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

आजादी की लड़ाई-

अंग्रेजों के अत्याचारों और अमानवीय व्यवहारों से त्रस्त भारतीय जनता एकजुट हो इससे छुटकारा पाने हेतु कृतसंकल्प हो गई। सुभाषचन्द्र बोस, भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद ने क्रांति की आग फैलाई और अपने प्राणों की आहुति दी। तत्पश्चात् सरदार वल्लभभाई पटेल, गांधीजी, नेहरूजी ने सत्य, अहिंसा और बिना हथियारों की लड़ाई लड़ी। सत्याग्रह आन्दोलन किये, लाठियां खाईं, कई बार जेल गए और अंग्रेजों को हमारे देश को छोड़कर जाने के लिए विवश कर दिया। इस तरह 15 अगस्त 1947 का दिन हमारे लिए स्वर्णिम दिन बना।

स्वतंत्रता दिवस का उत्सव-

यह दिन 1947 से आज तक हम वादे उत्साह और प्रसन्नता के साथ मानते चले आ रहे हैं। इस दिन सभी विद्यालयों, सरकारी कार्यालयों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है, राष्ट्रगीत गया जाता है और इन सभी महापुरुषों, शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाती है जिन्होंने स्वतंत्रता हेतु प्रयत्न किये। ध्वजारोहण के पश्चात् मिठाइयाँ बांटी जाती हैं।

हमारी राजधानी दिल्ली में हमारे प्रधानमन्त्री लाल किले पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं। वहां यह त्यौहार बड़ी धूमधाम और भव्यता के साथ मनाया जाता है। सभी शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाती है। प्रधानमन्त्री राष्ट्र के नाम सन्देश देते हैं। अनेक सभाओं और कर्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

उपसंहार –

इस दिन का ऐतिहासिक महत्त्व है। इस दिन की याद आते ही उन शहीदों के प्रति श्रद्धा से मस्तक अपने आप ही झुक जाता है, जिन्होंने स्वतंत्रता के यज्ञ में अपने प्राणों की आहुति दी। इसलिए हमारा पुनीत कर्त्तव्य है कि हम हमारे स्वतंत्रता के रक्षा करें। देश की प्रगति के साधक बने न कि बाधक। एकता की भावना से रहें और अलगाव, आतंरिक कलह से बचें।

हमारे लिए स्वतंत्रता दिवस देश के अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों की श्रद्धांजलि का पावन पर्व है।

बढ़ते कदम
आकलन से शैक्षिक गुणवत्ता की ओर...

समरूपता, वैधता, विश्वसनीयता